मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

(An Institute of National Importance)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका

अगस्त संस्करण

2025

विषय सूची

- निदेशक का संबोधन....................................3
- प्रमुख कार्यक्रम.. 4
- शैक्षणिक आयोजन.................................. 13
- विभागीय प्रमुख
  झलकियाँ.. 18
- छात्र गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ..................25
- अनुसंधान उपलब्धियाँ............................. 26
- संकाय उपलब्धियाँ.................................. 27
- डीन कार्यालय की पहल.......................... 28
- पुस्तकालय क्षेत्र...................................... 29
- क्लब गतिविधियाँ.................................... 33
- वेलनेस कॉर्नर... 35
- हमारी टीम से परिचय.................................36

निदेशक का संबोधन

प्रिय पाठकों,

मुझे अत्यंत गर्व और हर्ष हो रहा है कि मैं एमएनआईटी जयपुर के इस नवीनतम न्यूज़लेटर का अंक प्रस्तुत कर रहा हूँ, यह हमारे सामूहिक सफ़र का सजीव प्रतिबिंब है, जहाँ ज्ञान उद्देश्य से मिलता है और प्रत्येक दिन सीखने का उत्सव बन जाता है।

पिछले कुछ महीनों में हमारा परिसर शैक्षणिक सहभागिता, शोध अन्वेषण और नवाचार-आधारित सहयोग का एक सक्रिय केंद्र बना रहा। हमारे संकाय सदस्यों ने दूरदर्शी संकाय विकास कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं का नेतृत्व किया, जिनमें क्वांटम कम्प्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और सतत ऊर्जा जैसे विषय शामिल रहे। ये पहल हमारी उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं जिसके द्वारा हम वैश्विक शैक्षणिक और तकनीकी प्रगति में अग्रणी बने रहने का संकल्प रखते हैं।

हमारे छात्र, अपने प्राध्यापकों के मार्गदर्शन और संस्थागत ढाँचों के सहयोग से शानदार उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। उन्होंने एमआईआईसी में इंटर्नशिप की, स्टार्टअप्स की स्थापना की, राष्ट्रीय स्तर के बूटकैंप्स में भाग लिया और वास्तविक समस्याओं पर कार्य किया। उनकी जिज्ञासा, दृढ़ता और उत्कृष्टता की खोज ही एमएनआईटी की धरोहर की आधारशिला है।

यह समय हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव भी रहा क्योंकि हमने अंतिम वर्ष के छात्रों को विदाई दी, जो अब आत्मविश्वास के साथ पेशेवर जगत में आगे बढ़ रहे हैं। हमें उनके सफल भविष्य पर गर्व है, कई छात्रों ने अग्रणी कंपनियों, शोध संस्थानों और शैक्षणिक संगठनों में स्थान प्राप्त किया है। उनकी उपलब्धियाँ हमारे शैक्षणिक परिवेश की शक्ति और एमएनआईटी में निहित मार्गदर्शन, परिश्रम और समायोजन क्षमता की गहरी संस्कृति का प्रमाण हैं।

हमारे उत्कृष्टता केंद्र जैसे सेंटर फॉर एनर्जी एंड एनवायरनमेंट और मालवीय इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (MIIC) ने अनुसंधान को प्रासंगिकता से जोड़े रखा है, जिससे शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के बीच संवाद और क्रियान्वयन संभव हुआ है। इसी दौरान हमारे विभाग राष्ट्रीय महत्त्व के शोध कार्यों में गहन रूप से संलग्न रहे और ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को तैयार कर रहे हैं जो नैतिक रूप से सजग और वैश्विक स्तर पर सक्षम हैं।

फिर भी, आँकड़ों और उपलब्धियों से परे यह न्यूज़लेटर हमारे संस्थान के हृदय की झलक भी प्रस्तुत करता है। यह एक ऐसे समुदाय की भावना को दर्शाता है जो साथ मिलकर सीखता है, एक-दूसरे को प्रेरित करता है और समाज में सार्थक योगदान देने में विश्वास रखता है।

जब आप इन पृष्ठों को पढ़ेंगे चाहे आप छात्र हों, अभिभावक, अकादमिक, उद्योग विशेषज्ञ या जिज्ञासु पाठक मैं आपको आमंत्रित करता हूँ कि आप केवल हमारी प्रगति ही नहीं, बल्कि उन मूल्यों और दृष्टि को भी देखें जो हमें प्रेरित करती है। आइए हम सहानुभूति के साथ आगे बढ़ें, ईमानदारी से नेतृत्व करें और उद्देश्यपूर्ण निर्माण करें।

सादर धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ,

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी
निदेशक, एमएनआईटी जयपुर

प्रमुख कार्यक्रम

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में एमएनआईटी जयपुर की उपलब्धि

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में 201–250 रैंक बैंड में स्थान प्राप्त कर गर्व का अनुभव कराया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उच्च शिक्षा में संस्थान की बढ़ती शैक्षणिक उपस्थिति और उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एमएनआईटी ने अपने शोध क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है, जहाँ इसे 81.1 का अनुसंधान गुणवत्ता स्कोर प्राप्त हुआ है। 5,500 से अधिक विद्यार्थियों और 19.7 का छात्र-शिक्षक अनुपात होने के कारण संस्थान एक जीवंत और गतिशील शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। इसका कुल स्कोर 41.3–43.7 शिक्षण, शोध और उद्योग सहयोग में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।

यह उपलब्धि एमएनआईटी जयपुर को तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक उभरते हुए अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करती है। संस्थान नवाचार, सहयोग और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाते हुए वैश्विक ज्ञान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का एमएनआईटी जयपुर में आयोजन

थीम: "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग"

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त पत्र संख्या 29-2/2025-S&S दिनांक 18.03.2025 के अनुपालन में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 21 जून 2025 को बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया। इस वर्ष की थीम “एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग” ने योग के दोहरे लाभों – व्यक्तिगत कल्याण एवं सामाजिक सौहार्द – पर बल दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकालीन योग सत्र से हुआ, जिसका संचालन योग विशेषज्ञ सुश्री नमिता चौहान ने किया। इसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग

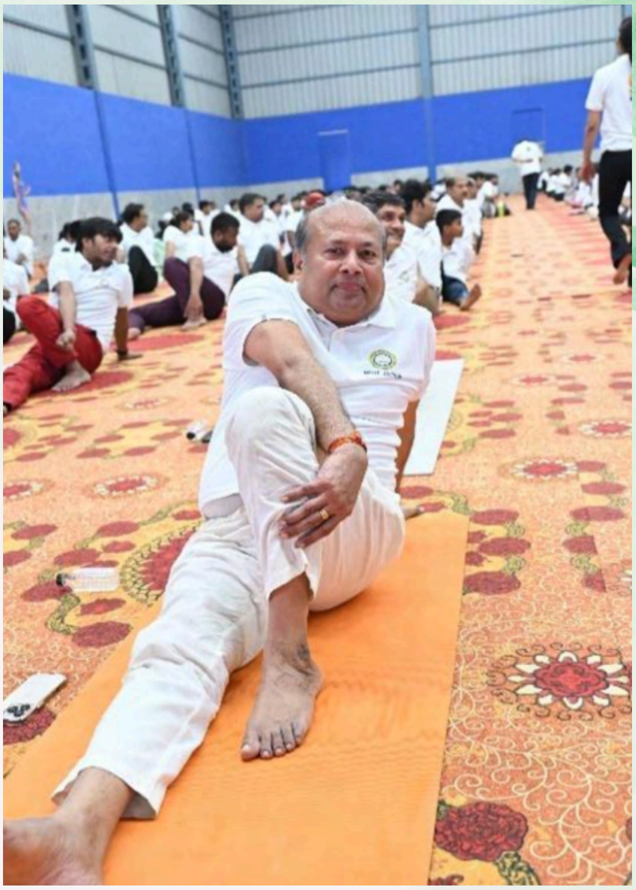

लिया और विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया, जिससे शारीरिक स्फूर्ति एवं मानसिक शांति प्राप्त हुई। इसके पश्चात माननीय निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी, रजिस्ट्रार (प्रभारी) प्रो. रोहित भाकर, डीन (प्रभारी) डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी एवं वरिष्ठ खेल अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित गणमान्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और स्वस्थ जीवनशैली एवं सौहार्दपूर्ण समाज निर्माण में योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रमुख कार्यक्रम

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ

- व्यक्तिगत स्वास्थ्य हेतु योग: विशेषज्ञों ने बताया कि योग शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने, तनाव प्रबंधन करने और भावनात्मक संतुलन बढ़ाने में सहायक है।

- सामाजिक सौहार्द हेतु योग: चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि योग सहानुभूति विकसित करने, सामुदायिक बंधन मजबूत करने और सामाजिक एकता स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह आयोजन अत्यंत सफल रहा, जिसमें प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में योग को अपनाने हेतु उपयोगी ज्ञान एवं व्यावहारिक तकनीकें प्राप्त हुईं। यह कार्यक्रम न केवल प्राचीन परंपरा का पुनर्जीवन था बल्कि एमएनआईटी जयपुर के स्वस्थ, करुणामय और जुड़े हुए परिसर वातावरण निर्माण की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

भविष्य की दिशा में, एमएनआईटी जयपुर ने संकल्प लिया है कि वर्षभर योग एवं वेलनेस पहलों को पाठ्यक्रम एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में शामिल किया जाएगा तथा इसका विस्तार बड़े समुदाय तक किया जाएगा।

प्रमुख कार्यक्रम

5वाँ IEEE SeFet 2025: सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूचर इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन

5वाँ IEEE SeFet 2025 सम्मेलन 9–12 जुलाई, 2025 को एमएनआईटी जयपुर में सेंटर फॉर एनर्जी एंड एनवायरनमेंट के सक्रिय सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों से 400+ प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 600 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में 7 वैश्विक मुख्य वक्तव्य, 60+ तकनीकी सत्र और 5 पोस्टर सत्र आयोजित हुए, जिसने स्वच्छ ऊर्जा, ई-मोबिलिटी और पावर सिस्टम में AI पर संवाद का जीवंत मंच प्रदान किया। छात्रों के लिए विशेष पैनल चर्चा, अकादमिक-औद्योगिक सहयोग, अभियांत्रिकी में महिलाएँ और युवा पेशेवर सत्र आयोजित किए गए, जिससे समावेशन और मार्गदर्शन को बढ़ावा मिला। शैक्षणिक कठोरता से परे, सम्मेलन ने राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को भी रेखांकित किया—लोक प्रस्तुतियों, ऐतिहासिक स्थलों की यात्राओं और “चौखी ढाणी” में आयोजित रंगारंग शाम के माध्यम से परंपरा और तकनीकी आदान-प्रदान का अद्भुत संगम प्रस्तुत हुआ।

दिवस – 1
तिथि: 9 जुलाई 2025 (बुधवार)
ट्यूटोरियल्स, अभियांत्रिकी में महिलाएँ एवं स्वागत समारोह

सम्मेलन का शुभारंभ विवेकानंद लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स (VLTC) में 400+ प्रतिनिधियों के पंजीकरण से हुआ। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक राजस्थानी आतिथ्य, नाश्ते और स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित उपहार किटों के साथ किया गया।

दो समानांतर ट्यूटोरियल्स आयोजित किए गए:

- “माइक्रोग्रिड्स: नियंत्रण, सुरक्षा और पावर क्वालिटी पहलू” – प्रो. विनोद खदकिकर और डॉ. हातेम ज़ेनेलदिन (खलीफा यूनिवर्सिटी, यूएई) द्वारा।
- “भविष्य के ग्रिड्स के लिए पावर-सिस्टम मॉडलिंग” – प्रो. साईराज धोपले (यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, यूएसए) द्वारा।

दोपहर में अभियांत्रिकी में महिलाएँ (WIE) खंड आयोजित हुआ, जिसमें प्रो. प्रेरणा गौर (NSUT, दिल्ली) और प्रो. त्रिप्ता ठाकुर (निदेशक, NPTI फरीदाबाद) ने प्रेरणादायी भाषण दिए। इसके बाद “पावर और एनर्जी में नवाचार एवं नेतृत्व” विषय पर महिला नेताओं की पैनल चर्चा हुई। दिन का समापन पोस्टर सत्र-1 और नेटवर्किंग चाय के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने समृद्ध सांस्कृतिक वातावरण में सार्थक चर्चाएँ कीं।

प्रमुख कार्यक्रम

दूसरा दिन – 10 जुलाई 2025 (गुरुवार)
मुख्य व्याख्यान, तकनीकी सत्र और सांस्कृतिक उत्सव

दिन की शुरुआत तकनीकी मौखिक प्रस्तुतियों (सत्र 1–10) से हुई, जिनमें स्मार्ट ग्रिड्स, ऊर्जा में AI और सतत परिवहन पर शोध शामिल थे। **पोस्टर सत्र-2** ने प्रारंभिक शोधकर्ताओं को अपने कार्य साझा करने का मंच दिया।
मुख्य व्याख्यान में शामिल थे:

- प्रो. जुआन जोस रोड्रिगेज-अंडिना (यूनिवर्सिटी ऑफ विगो, स्पेन) – पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में AI की उभरती भूमिका।
- डॉ. ऐमन एम. एल-रफाई (प्रेसिडेंट, IEEE IAS; मार्क्वेटट यूनिवर्सिटी, यूएसए) – ऊर्जा रूपांतरण और विद्युत मशीनों में प्रगति।
- प्रो. जियान सन (रेनसेलर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट, यूएसए) – सिस्टम स्थिरता के लिए फ्रीक्वेंसी-डोमेन विधियाँ।

दोपहर में उद्घाटन समारोह हुआ, जिसमें डॉ. एल-रफाई, प्रो. एन. पी. पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी जयपुर) और विशिष्ट अकादमिक एवं औद्योगिक साझेदार उपस्थित रहे। शाम को राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से राजस्थानी सांस्कृतिक रात्रि और स्वागत रात्रिभोज हुआ, जिसमें कालबेलिया नृत्य, कठपुतली शो, लोक संगीत और पारंपरिक थाली ने विदेशी अतिथियों को स्थानीय धरोहर से जोड़ा।

तीसरा दिन – 11 जुलाई 2025 (शुक्रवार)
छात्र पैनल, उन्नत मुख्य व्याख्यान एवं चौखी ढाणी गाला
तीसरे दिन की शुरुआत मौखिक तकनीकी सत्रों (सत्र 31–40) से हुई, जिनमें हाइड्रोजन ऊर्जा, AI आधारित पूर्वानुमान और विद्युत गतिशीलता (e-mobility) जैसे विषय शामिल थे। इसके बाद पोस्टर सत्र-3 आयोजित हुआ, जिसने हालिया नवाचारों पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया।
इस दिन तीन प्रमुख मुख्य व्याख्यान हुए:

- प्रो. दीप्ती श्रीनिवासन (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर) – स्मार्ट ग्रिड्स में AI आधारित निर्णय-निर्धारण।
- प्रो. गौरव मजुमदार (मित्सुबिशी, जापान) – पावर सिस्टम्स में सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियाँ।
- प्रो. तपस मलिक (यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर, यूके) – नेट-ज़ीरो भवनों हेतु हाइड्रोजन-संयुक्त सौर प्रणालियाँ।

प्रमुख कार्यक्रम

साथ ही, प्रो. कोउकी मात्सुसे (मेइजी यूनिवर्सिटी, जापान) का व्याख्यान “परिवहन हेतु उन्नत विद्युत प्रणोदन तकनीक” भारत के उभरते ईवी परिदृश्य से गहराई से जुड़ा रहा।

दिन का एक और विशेष आकर्षण था छात्र एवं युवा पेशेवर (एसवाईपी) पैनल,, जिसमें करियर मार्गदर्शन और शैक्षणिक मेंटरशिप पर चर्चा हुई।

शाम को प्रतिनिधियों का स्वागत चौखी ढाणी, जयपुर के प्रसिद्ध लोक-ग्राम रिसॉर्ट में हुआ, जहाँ ऊँट और बैलगाड़ी की सवारी, लोक प्रस्तुतियाँ, ज्योतिष स्टॉल और पारंपरिक राजस्थानी भोज के साथ गाला डिनर आयोजित किया गया। वहीं VIP अतिथियों के लिए आमेर किला, सिटी पैलेस और हवा महल की विशेष धरोहर यात्राएँ भी आयोजित की गईं।

चौथा दिन – 12 जुलाई 2025 (शनिवार)
पुरस्कार वितरण, विदाई एवं जयपुर भ्रमण

अंतिम दिन की शुरुआत मौखिक तकनीकी सत्रों (सत्र 51–61) से हुई। इसके इसके बाद HIOKI उत्कृष्ट डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें ऊर्जा और विद्युत परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी डॉक्टोरल शोध को सम्मानित किया गया।

“अकादमिक क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान एवं सफलता की प्राप्ति” विषय पर एक विशेष शैक्षणिक पैनल चर्चा आयोजित हुई, जिसमें संकाय विकास, प्रकाशन उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विचार साझा किए गए।

दिन की मुख्य झलकियाँ:

- दोपहर में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह, जिसमें राजस्थान पर्यटन विभाग का पूरे सम्मेलन में सांस्कृतिक सहयोग हेतु विशेष धन्यवाद किया गया।
- दोपहर बाद 120+ बाहरी प्रतिनिधियों के लिए जयपुर शहर भ्रमण, जिसमें अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम, जल महल और स्थानीय बाज़ार शामिल थे।
- प्रतिनिधियों ने ब्लू पॉटरी, मिनिएचर पेंटिंग और ब्लॉक-प्रिंटेड वस्त्रों जैसी पारंपरिक हस्तशिल्प वस्तुएँ भी खरीदीं, जिससे स्थानीय कारीगर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

सम्मेलन का समापन आयोजकों, स्वयंसेवकों और प्रायोजकों के सामूहिक प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। SeFet 2025 ने सतत ऊर्जा और भविष्य की गतिशीलता पर वैश्विक संवाद को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया और एक यादगार छाप छोड़ी।

भारतीय सेना के दक्षिण-पश्चिम कमान (SWC) के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन (MoU)

एमएनआईटी जयपुर ने 16 जुलाई 2025 को भारतीय सेना के दक्षिण-पश्चिम कमान (SWC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता “नेक्स्ट-जेनरेशन: शेपिंग टुमॉरो’स मिलिट्री टुडे” नामक तकनीकी संगोष्ठी के दौरान संपन्न हुआ।

इस MoU का उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों में उन्नति हेतु सहयोग को मजबूत करना था। इन क्षेत्रों में विशेष रूप से सैन्य विशेष वाहन, प्लेटफ़ॉर्म एवं उपकरण, सॉफ्टवेयर विकास, हथियार प्रणाली एकीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और संचार प्रौद्योगिकियाँ शामिल थीं।

MoU हस्ताक्षर की मुख्य झलकियाँ:

- यह MoU प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर और लेफ्टिनेंट जनरल मंजींदर सिंह, AVSM, YSM, VSM, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (GOC-in-C), दक्षिण-पश्चिम कमान, भारतीय सेना द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।
- इस कार्यक्रम में एमएनआईटी के प्रमुख संकाय सदस्य उपस्थित थे, जिनमें शामिल थे:
- प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों)
- डॉ. प्रेरणा जैन (एसोसिएट डीन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों)
- डॉ. पवन कल्ला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामलों)
- डॉ. कुलदीप सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)।

महत्व

यह सहयोग **अकादमिक–रक्षा साझेदारी** को एक नया आयाम देता है और **नवाचार तथा तकनीकी प्रगति** के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह रणनीतिक गठबंधन एमएनआईटी जयपुर की इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है कि संस्थान देश की रक्षा क्षमताओं में अत्याधुनिक अनुसंधान और विशेषज्ञता से योगदान देगा तथा अंतर्विषयक शैक्षणिक सहभागिता के नए मार्ग खोलेगा।

प्रमुख कार्यक्रम

छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन डाटा साइंस एंड एप्लीकेशंस (ICDSA 2025)

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, MNIT जयपुर ने 16–18 जुलाई 2025 के दौरान छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन डाटा साइंस एंड एप्लीकेशंस (ICDSA 2025) का सफल आयोजन किया। यह सम्मेलन हाइब्रिड मोड में हुआ तथा इसे सॉफ्ट कम्प्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी (SCRS), EICT अकादमी MNIT जयपुर और IEEE कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सोसाइटी स्टूडेंट चैप्टर का सहयोग प्राप्त रहा।

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में 15 देशों से 2046 शोध-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कठोर समीक्षा के बाद 277 उच्च-गुणवत्ता वाले शोध-पत्र चयनित किए गए (स्वीकृति दर: 14%)।

कार्यक्रम में 45 तकनीकी सत्र आयोजित हुए और ख्यातनाम विशेषज्ञों – प्रो. आर. बी. पाचौरी, प्रो. स्वगताम दास एवं प्रो. जे. सी. बंसल – ने प्रेरणादायी व्याख्यान दिए। उद्घाटन प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, MNIT जयपुर द्वारा किया गया।

सम्मेलन की कार्यवाही आठ SCOPUS-सूचीबद्ध स्प्रिंगर वॉल्यूम्स में प्रकाशित होगी, जो इसकी शैक्षणिक प्रभावशीलता को और सशक्त बनाएगी।

यह आयोजन MNIT जयपुर की पहचान को एक वैश्विक शोध, नवाचार और सहयोग के अग्रणी केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करता है।

प्रमुख कार्यक्रम

एमएनआईटी जयपुर द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (FDPs) इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी (MeitY, भारत सरकार) के अंतर्गत पहल

भारत सरकार की राष्ट्रीय कौशल विकास नीति के अनुरूप, जिसका लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी के क्षेत्र में 50 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करना है, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देश के प्रमुख संस्थानों में सात इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमियों की स्थापना की है। हमारे संस्थान को राजस्थान, गुजरात, दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली के लिए ऐसी एक अकादमी स्थापित करने हेतु चार वर्षों की अवधि में 10 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की गई है। अन्य छह अकादमियाँ आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, एनआईटी वारंगल, एनआईटी पटना तथा आईआईआईटी जबलपुर में स्थापित की गई हैं। इस पहल के अंतर्गत, एमएनआईटी जयपुर स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी ने मई–जुलाई 2025 के दौरान 40 घंटे की अवधि वाले 28 गहन ऑनलाइन/हाइब्रिड फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) सफलतापूर्वक संचालित किए, जिनके माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी के उभरते क्षेत्रों में संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य संकाय सदस्यों और पेशेवरों को उभरती प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक ज्ञान से सशक्त करना तथा इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्रों में सतत कौशल-विकास को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों को बेसिक से लेकर एडवांस्ड स्तर तक के विषयों पर विशेष हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया गया, जिससे अकादमिक ज्ञान को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके।

सत्रों की अध्यक्षता प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी जयपुर एवं कार्यवाहक अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) ने की। इस अवसर पर प्रो. वीनीत सहुला (मुख्य अन्वेषक, ई&आईसीटी अकादमी) और प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों) ने भी प्रतिभागियों को अपने महत्वपूर्ण विचारों और मार्गदर्शन से लाभान्वित किया।

ये FDPs ज्ञान-विनिमय, अनुसंधान उन्मुखता और व्यावसायिक कौशल-वृद्धि का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुए, जिससे एमएनआईटी जयपुर की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग तत्परता के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।

पूर्ण किए गए एफडीपी (मई से जुलाई 2025 तक)

	FDP शीर्षक	अवधि / तिथि	नाम (हिंदी में)
1	चिकित्सा इमेजिंग और निदान में एआई: वर्तमान प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ	01 मई – 12 मई, 2025	डॉ. दीपक रंजन नायक
2	मशीन लर्निंग - आधार से परे	01 मई – 10 मई, 2025	डॉ. सुरेन्द्र हंस
3	अर्धचालक उपकरण, सर्किट और सेंसर: अनुप्रयोग और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य	02 मई – 10 मई, 2025	डॉ. मेनका यादव
4	आईटी में स्थिरता (ESG) रिपोर्टिंग के लिए एक व्यापक रूपरेखा: रणनीति और प्रभाव	13 मई – 22 मई, 2025	डॉ. रितिका महाजन
5	एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में डिजिटल परिवर्तन	19 मई – 23 मई, 2025	डॉ. जिनेश कुमार जैन
6	उन्नत डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग	26 मई – 04 जून, 2025	डॉ. हेमंत मीणा
7	व्यवसाय और अनुसंधान के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	26 मई – 07 जून, 2025	डॉ. आयुष गौतम
8	एआई का गणित: एल्गोरिदम, अनुकूलन और उससे आगे	26 मई – 30 मई, 2025	डॉ. प्रियंका हरजुले
9	मानव-रोबोट अंतःक्रिया और सहायक प्रौद्योगिकियाँ	09 जून – 16 जून, 2025	डॉ. गुंजन सोनी
10	इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी	09 जून – 16 जून, 2025	डॉ. प्रेरणा जैन
11	अर्धचालक उपकरण, सर्किट और सेंसर: अनुप्रयोग और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य	09 जून – 20 जून, 2025	डॉ. मेनका यादव
12	जनरेटिव एआई में महारत: मूलभूत से उन्नत अनुप्रयोगों तक	09 जून – 13 जून, 2025	डॉ. सत्येन्द्र सिंह चौहान
13	संख्यात्मक विधियाँ, गणना और अनुकूलन C और MATLAB का उपयोग करते हुए	09 जून – 17 जून, 2025	डॉ. राहुल सिंघल
14	स्वास्थ्य प्रणाली में ब्लॉकचेन और एआई	16 जून – 20 जून, 2025	डॉ. मुस्ताक अहमद
15	हरित ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स का मॉडलिंग और नियंत्रण	23 जून – 04 जुलाई, 2025	डॉ. मनमोहन गर्ग
16	डीप लर्निंग	25 जून – 02 जुलाई, 2025	डॉ. सुरेन्द्र हंस एवं डॉ. विकास कुमार
17	डीप लर्निंग मॉडल्स के लिए अनुकूलन	30 जून – 04 जुलाई, 2025	डॉ. प्रियंका हरजुले
18	इलेक्ट्रिक वाहन: कन्वर्टर्स, प्रोपल्शन और नियंत्रण	23 जून – 03 जुलाई, 2025	डॉ. नेली सत्यनारायण
19	वीएलएसआई डिज़ाइन सत्यापन की मूल बातें	23 जून – 06 जुलाई, 2025	डॉ. विनीत सहुला
20	उन्नत अर्धचालक और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	30 जून – 09 जुलाई, 2025	डॉ. दीपक भारती
21	चिकित्सा इमेजिंग और निदान में एआई: वर्तमान प्रवृत्तियाँ और चुनौतियाँ	07 जुलाई – 18 जुलाई, 2025	डॉ. दीपक आर. नायक
22	स्मार्ट ग्रिड के मूल सिद्धांत	07 जुलाई – 01 अगस्त, 2025	प्रो. एन. पी. पाध्ये
23	क्यूटी-05 क्वांटम संगणना	11 जुलाई – 02 अगस्त, 2025	डॉ. इमैनुएल एस. पिल्ली एवं डॉ. सत्येन्द्र सिंह चौहान
24	कंप्यूटर विजन और चिकित्सा छवि प्रोसेसिंग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	14 जुलाई – 24 जुलाई, 2025	डॉ. नीता नैन
25	वीएलएसआई परीक्षण और परीक्षण क्षमता	14 जुलाई – 18 जुलाई, 2025	डॉ. मेनका यादव
26	इंजीनियरिंग और व्यवसाय के लिए प्रायिक मशीन लर्निंग / डीप लर्निंग	21 जुलाई – 25 जुलाई, 2025	डॉ. संदीपन कर्माकर
27	5G और 6G अनुप्रयोगों के लिए एंटीना डिज़ाइन में नवीनतम प्रवृत्तियाँ	28 जुलाई – 05 अगस्त, 2025	डॉ. सार्थक सिंघल
28	अभियंत्रण अनुप्रयोगों के लिए पायथन प्रोग्रामिंग	28 जुलाई – 08 अगस्त, 2025	डॉ. प्रसांत मजूमदार

शैक्षणिक आयोजन

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग

GIAN लघु-अवधि पाठ्यक्रम – “जनरेटिव एआई मॉडल्स का परिचय”

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग ने 23 जून से 27 जून 2025 तक GIAN (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स) के अंतर्गत एक लघु-अवधि पाठ्यक्रम “जनरेटिव एआई मॉडलों का परिचय” आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम का संयोजन डॉ. नीता नैन और डॉ. महिपाल जाडेजा ने किया। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूलभूत समझ प्रदान करना था। विशेषज्ञ व्याख्यानों, प्रायोगिक सत्रों और इंटरैक्टिव चर्चाओं की श्रृंखला के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में GANs (जनरेटिव एडवर्सेरियल नेटवर्क्स), VAEs (वेरिएशनल ऑटोएनकोडर्स) और डिफ्यूजन-आधारित मॉडल्स जैसे प्रमुख सिद्धांत और नवीनतम प्रगति को शामिल किया गया। छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह कार्यक्रम एआई के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव साबित हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग

6वीं ICDSA 2025: वैश्विक शोध प्रभाव का प्रदर्शन

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने 16 से 18 जुलाई 2025 तक **छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन डेटा साइंस एंड एप्लीकेशंस (ICDSA 2025)** हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम को **सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी (SCRS), ईआई सीटी एकेडमी एम एन आई टी जयपुर और आईईईई सीआईएस स्टूडेंट चैप्टर** का सहयोग मिला।
सम्मेलन को कुल **2046 शोध पत्र-पांडुलिपियाँ** प्राप्त हुईं। कड़े सहकर्मी-समीक्षा (peer-review) के बाद, **277 शोध पत्रों** को स्वीकृति दी गई और उन्हें **45 तकनीकी सत्रों** में प्रस्तुत किया गया। स्वीकृति दर केवल **14%** रही, जो इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाती है।

उद्घाटन समारोह में प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी जयपुर) ने सम्मिलित होकर प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वक्ताओं ने व्याख्यान दिए, जिनमें शामिल थे:

- प्रो. रामबिलास पचौरी (आईआईटी इंदौर)
- प्रो. स्वगताम दास (आईएसआई, कोलकाता)
- प्रो. जगदीश चंद बंसल (एसएयू, नई दिल्ली)

सम्मेलन की कार्यवाही “स्प्रिंगर लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स” श्रृंखला के अंतर्गत आठ SCOPUS-इंडेक्स्ड वॉल्यूम्स में प्रकाशित की जाएगी। समापन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस. जे. नंदा और प्रो. आर. पी. यादव (सम्मेलन के जनरल चेयर्स) ने प्रस्तुत किया।

एमएनआईटी जयपुर में आयोजित “5G यूज़ केस लेबोरेटरी” पर एक-सप्ताहीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने अपनी 5G यूज़ केस लेबोरेटरी के माध्यम से 10 से 14 अगस्त 2025 तक एक-सप्ताहीय भौतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (TCIL) के सहयोग से आयोजित हुआ।
कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आर. सी. शर्मा, निदेशक, दूरसंचार विभाग (DoT), भारत सरकार द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में भारतीय वायु सेना, NPTI फरीदाबाद, बनस्थली विद्यापीठ, BITS पिलानी, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा और एमएनआईटी जयपुर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
समापन सत्र में दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं एमएनआईटी के नेतृत्व ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।
यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नेक्स्ट-जनरेशन 5G प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण एवं सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

शैक्षणिक आयोजन

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP)
“5G एवं 6G अनुप्रयोगों हेतु एंटीना डिज़ाइन में हालिया रुझान”

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी, एमएनआईटी जयपुर ने भारत सरकार के MeitY के तत्वावधान में 28 जुलाई से 5 अगस्त 2025 तक नौ-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का सफल आयोजन किया। यह 40 घंटे का FDP कुल 26 घंटे विशेषज्ञ व्याख्यान एवं 14 घंटे प्रायोगिक सत्रों से युक्त था, जिसे देश-विदेश के प्रमुख विशेषज्ञों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में IIT कानपुर, IIT रुड़की, IIT जोधपुर, IIIT नया रायपुर, NITs, केंद्रीय विश्वविद्यालय, ISRO एवं LRDE बैंगलोर के साथ-साथ हुबेई पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, चीन के विशेषज्ञ भी शामिल रहे।
उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी (अध्यक्ष (कार्यवाहक) बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एवं निदेशक, एमएनआईटी जयपुर) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. एन. पी. यादव (हुबेई पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, चीन) उपस्थित रहे। इस अवसर पर संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं 85 से अधिक ऑनलाइन प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

शैक्षणिक आयोजन

कार्यक्रम की उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता और मजबूत सहभागिता ने इसे अत्यंत सफल बनाया।

एकेडमी ने इस सफलता हेतु प्रो. वीनीत सहुला (मुख्य अन्वेषक, E&ICT अकादमी) के नेतृत्व तथा प्रमुख समन्वयकों – डॉ. सार्थक सिंगल, डॉ. रीना कुमारी और प्रो. एम. एम. शर्मा – के अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, सभी विशिष्ट वक्ताओं और समर्पित स्टाफ सदस्यों का भी धन्यवाद जिनके योगदान से यह FDP एक स्मरणीय उपलब्धि बन सका।

गणित विभाग

गणित विभाग द्वारा आयोजित लघु-अवधि कार्यक्रम

एमएनआईटी जयपुर के गणित विभाग ने मई से जुलाई 2025 के बीच दो महत्वपूर्ण लघु-अवधि कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। ये कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी (EICT Academy) के अंतर्गत, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के संरक्षण में आयोजित किए गए।

फैकल्टी विकास कार्यक्रम – "एआई हेतु गणित: एल्गोरिद्म, अनुकूलन एवं उससे आगे"

यह एफडीपी 26–30 मई 2025 के बीच आयोजित किया गया, जिसका मुख्य फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के लिए आवश्यक गणितीय नींव और अनुकूलन तकनीकों पर था। इसे गणित विभाग की डॉ. प्रियंका हर्जुले द्वारा संयोजित किया गया। कार्यक्रम में एल्गोरिद्मिक फ्रेमवर्क तथा वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को शामिल किया गया, जिसने एआई-संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की।

लघु-अवधि पाठ्यक्रम – "डीप न्यूरल नेटवर्क्स का अनुकूलन"

30 जून से 4 जुलाई 2025 तक आयोजित इस पाठ्यक्रम में डीप लर्निंग आर्किटेक्चर्स में अनुकूलन से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसे भी डॉ. प्रियंका हर्जुले द्वारा संयोजित किया गया। यह कार्यक्रम संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े पेशेवरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहा, जिससे उन्हें डीप न्यूरल नेटवर्क्स और आधुनिक संगणनात्मक तकनीकों की गहन समझ प्राप्त हुई।

दोनों कार्यक्रमों ने अनुप्रयुक्त गणित और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्रों में समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान और उन्नत शिक्षण को प्रोत्साहित किया।

शैक्षणिक आयोजन

यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग

लघु-अवधि पाठ्यक्रम – सीमा मूल्य समस्याएँ (BVPs) और प्रारंभिक मूल्य समस्याएँ (IVPs)

4–8 जून 2025 तक यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग में "सीमांत मान समस्याओं (Boundary Value Problems - BVPs) और प्रारंभिक मान समस्याओं (Initial Value Problems - IVPs) हेतु संगणकीय गणित" विषय पर एक लघु-अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. करण एस. सुराना द्वारा संचालित किया गया और इसमें व्यावहारिक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में प्रयुक्त डिफरेंशियल समीकरणों के संख्यात्मक हलों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
कार्यक्रम संयोजक टीम:
डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मखन लाल मीना, डॉ. नरेश कुमार रघुवंशी, डॉ. गुलाब पामनानी, डॉ. दिनेश कुमार राठौड़ और डॉ. प्रीति गुलिया।

कार्यशाला – "नॉन-लिनियर डायनामिक्स और बिफर्केशन"

24 मई – 3 जून 2025 तक "नॉन-लिनियर डायनेमिक्स एंड बिफर्केशन्स इन क्लासिकल सॉलिड्स" पर एक कार्यशाला सह लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह कार्यशाला फ़ुलब्राइट स्पेशलिस्ट प्रोग्राम (FSP) के अंतर्गत प्रो. करण एस. सुराना (यूनिवर्सिटी ऑफ कान्सास, यूएसए) द्वारा संचालित की गई।
इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को जटिल नॉन-लिनियर घटनाओं और उनके गणितीय मॉडलिंग की गहन समझ प्रदान की। इसे भी वही समन्वयक टीम संचालित कर रही थी।

इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को जटिल गैर-रेखीय घटनाओं एवं उनके गणितीय मॉडलिंग की गहन समझ प्रदान की।
कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. माखन लाल मीणा, डॉ. नरेश कुमार रघुवंशी, डॉ. गुलाब पामनानी, डॉ. दिनेश कुमार राठौड़ एवं डॉ. प्रीति गुलिया द्वारा किया गया।

भौतिकी विभाग

अंतरिक्षयान सुरक्षा पर ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप सफलतापूर्वक संपन्न

"स्पेस रेडिएशन शील्डिंग एंड स्पेसक्राफ्ट प्रोटेक्शन" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण-सह-ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम 5 जून से 4 जुलाई 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसका संयोजन डॉ. कविता लालवानी, भौतिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कमलेंद्र अवस्थी, विभागाध्यक्ष द्वारा की गई, और इसे प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर का समर्थन प्राप्त था।
UG/PG छात्रों, पीएच.डी. विद्वानों, संकाय और उद्योग पेशेवरों सहित कुल 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्पेस फिजिक्स, रेडिएशन शील्डिंग, डिटेक्टर्स, स्पेस वेदर, NASA के OLTARIS सिमुलेशन और Python का उपयोग करके AI-आधारित सोलर फ्लेयर भविष्यवाणी जैसे व्यापक अंतर्विषयक विषयों को कवर किया गया।
डॉ. राजशेखर मेका (ISRO), डॉ. अनिल राघव (मुंबई विश्वविद्यालय), डॉ. एम.वी. सुनील कृष्णा (IIT रुड़की), डॉ. कविता लालवानी, और डॉ. नम्रता मंगलानी (SAKET, मुंबई) जैसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने तकनीकी व्याख्यान दिए।

शैक्षणिक आयोजन

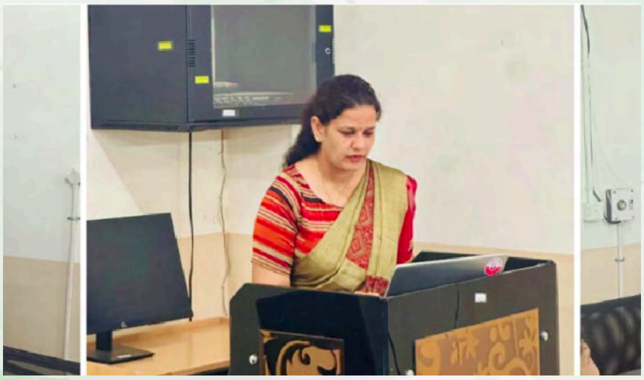

क्वांटम उत्कृष्टता का जश्न: प्रो. जैनेंद्र के. जैन का व्याख्यान

भौतिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने 14 जुलाई 2025 को अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्ष का जश्न मनाया। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध भौतिकविद् प्रो. जैनेंद्र के. जैन, एर्विन डब्ल्यू. मुलर प्रोफेसर ऑफ फिजिक्स, पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, USA और भौतिकी में वुल्फ पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्ता—जो नोबेल पुरस्कार के बाद क्षेत्र की दूसरी सबसे प्रतिष्ठित मान्यता है—द्वारा एक अंतर्दृष्टिपूर्ण व्याख्यान दिया गया।

प्रो. कनुप्रिया सचदेव के साथ अन्य प्रतिष्ठित भौतिकविदों ने प्रो. जैन का स्वागत किया और उनके असाधारण वैज्ञानिक योगदान और मान्यता के लिए उनका सम्मान किया। "ए स्ट्रेंज न्यू यूनिवर्स: व्हेयर बिजार्र क्वांटम पार्टिकल्स रूल" शीर्षक से अपने व्याख्यान में प्रो. जैन ने क्वांटम मैकेनिक्स की आकर्षक दुनिया का अन्वेषण किया, फ्रैक्शनल क्वांटम हॉल इफेक्ट और क्रांतिकारी कंपोजिट फर्मियन सिद्धांत की व्याख्या की।

उनकी चर्चा ने क्वांटम फिजिक्स के गहन वास्तविक दुनिया के निहितार्थों पर जोर दिया और संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों को समान रूप से प्रेरित किया।

आयोजन में शैक्षणिक समुदाय की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई, जिसका समन्वय डॉ. कमलेंद्र अवस्थी और डॉ. मनोज कुमार द्वारा किया गया।

MIIC

उद्यमिता पर कार्यशाला

पोद्दार बिजनेस स्कूल के गतिशील छात्रों के लिए "एंटरप्रेन्योरशिप इन एक्शन: बिल्डिंग स्किल्स एंड नेवीगेटिंग द स्टार्टअप इकोसिस्टम" शीर्षक से कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। सत्रों में डिजाइन थिंकिंग और AI/ML से लेकर सामाजिक प्रभाव, वित्त और स्टार्टअप के लिए मार्केटिंग तक के विस्तृत विषयों को कवर किया गया—प्रत्येक व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और स्टार्टअप ऊर्जा से भरपूर।

प्रो. ज्योतिर्मय माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उपस्थित लोगों के साथ मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किए। उद्घाटन भाषण प्रो. मोनिका शर्मा (प्रमुख और सचिव, MIIC) द्वारा दिया गया, जिनके मार्गदर्शन ने कार्यशाला का टोन सेट किया। आयोजन में मेंटर्स और वक्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिन्होंने कक्षा की शिक्षा को वास्तविक स्टार्टअप प्रयोग में बदल दिया। कार्यशाला का समन्वय डॉ. संजय गौड़, प्रबंधन स्कूल द्वारा किया गया।

शैक्षणिक आयोजन

कार्यक्रम मुख्य बिंदु:

- उद्घाटन सत्र: डॉ. नीरज शर्मा ने उद्यमशीलता मानसिकता को चलाने में शिक्षक की भूमिका पर जोर दिया।
- कार्यशालाएं: डिजाइन थिंकिंग, लीन स्टार्टअप पद्धति और प्रोटोटाइप विकास पर दी गई।
- पैनल चर्चा: नवाचार के लिए अंतर्विषयक सहयोग का अन्वेषण किया।
- समापन समारोह: डॉ. रविंद्र गौड़ ने प्रतिभागियों को अनुसंधान को वास्तविक दुनिया के समाधानों में अनुवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग

कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान संकाय विकास कार्यक्रमों (FDPs) की एक श्रृंखला और प्रतिष्ठित सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक जुड़ाव में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

- डॉ. मुस्ताक अहमद ने "हेल्थकेयर में ब्लॉकचेन और AI" पर एक FDP का आयोजन किया, जो 16 जून से 20 जुलाई 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में आयोजित किया गया।
- डॉ. मुस्ताक अहमद ने UAE के दुबई विश्वविद्यालय द्वारा 10-12 जून 2025 तक आयोजित साइबर-फिजिकल सिस्टम में संचार, कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और नियंत्रण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (CCNCPS 2025) में भी भाग लिया।

डॉ. सत्येंद्र सिंह चौहान ने 9-13 जुलाई 2025 तक "मास्टरिंग जेनेरेटिव AI: फ्रॉम बेसिक्स टू एडवांस्ड एप्लीकेशन्स" शीर्षक से एक FDP का आयोजन किया।

डॉ. दीपक रंजन नायक ने 1-12 मई 2025 तक "मेडिकल इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक्स में AI: वर्तमान रुझान और चुनौतियां" पर एक FDP आयोजित किया।

डॉ. पिल्ली इमैनुअल शुभाकर और डॉ. महिपाल जादेजा ने एआईसीटीई (AICTE), डीएसटी-एनक्यूएम (DST-NQM) और आईबीएम (IBM) के साझेदारी में एफडीपी “QT-02 फाउंडेशन्स ऑफ क्वांटम टेक्नोलॉजीज” का संयुक्त रूप से आयोजन किया, जो 11 अप्रैल से 3 मई 2025 तक चला।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

- डॉ. पिल्ली इमैनुअल शुभाकर और डॉ. विकास कुमार ने 16 मई से 6 जून 2025 तक FDP “QT-03: बेसिक क्वांटम प्रोग्रामिंग” का संचालन किया।
- डॉ. विकास कुमार ने 25 जून से 2 जुलाई 2025 तक "डीप लर्निंग" पर एक FDP का आयोजन किया।
- डॉ. दिनेश कुमार त्यागी ने 13-23 मई 2025 तक "ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन्स" पर एक FDP का नेतृत्व किया।

ये पहल भविष्यवादी प्रौद्योगिकियों में विभाग की मजबूत संलग्नता और अगली पीढ़ी के पेशेवरों और शोधकर्ताओं को आकार देने में इसके निरंतर प्रयासों को उजागर करती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग

FICMOCE-2025 में संकाय ने प्रस्तुत किया अत्याधुनिक शोध

डॉ. एस. जे. नंदा, सहयोगी प्रोफेसर ने "5G नेटवर्क में एनर्जी एफिशिएंट एज सर्वर प्लेसमेंट के लिए एक सरलीकृत कंस्ट्रेंट ह्यूरिस्टिक ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन माइक्रोवेव, ऑप्टिकल एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ICMOCE-2025) में IIT भुवनेश्वर में 23-25 मई 2025 तक आयोजित की गई।

डॉ. रवि मद्दिला द्वारा उन्नत फोटोनिक्स कार्य प्रस्तुत

डॉ. रवि मद्दिला ने "कम तीव्रता और वोल्टेज रेंज में दृश्य प्रकाश का पता लगाने के लिए उच्च प्रदर्शन अल्ट्रा-थिन रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड फोटोडिटेक्टर" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। यह कार्य ICMOCE-2025, IIT भुवनेश्वर में 23-25 मई 2025 तक प्रस्तुत किया गया। उनका कार्य अगली पीढ़ी की ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक सामग्री के क्षेत्र में योगदान देता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस समारोह 2025

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, एमएनआईटी जयपुर ने एसपीआईई छात्र प्रकोष्ठ (SPIE Student Chapter) के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश दिवस 2025 का आयोजन 7 अगस्त 2025 को किया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो. विवेक बोहरा (आईआईआईटी-दिल्ली) ने आधुनिक विज़िबल लाइट कम्युनिकेशन (VLC) एवं उसके 6G नेटवर्क के साथ एकीकरण पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके पश्चात प्रो. वाई. के. विजय (वीजीयू जयपुर) ने भौतिकी प्रयोगों के माध्यम से जटिल सिद्धांतों को दैनिक जीवन के अनुप्रयोगों से जोड़ते हुए एक रोचक इंटरैक्टिव सत्र का संचालन किया।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

इसके अतिरिक्त, भौतिकी की मूलभूत अवधारणाओं पर आयोजित क्विज़ प्रतियोगिता में 110 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। साथ ही थ्री-मिनट थीसिस (3MT®) प्रतियोगिता में 25 पीएच.डी. शोधार्थियों ने फोटोनिक्स, टेराहर्ट्ज़ (THz) प्रौद्योगिकी और ऑप्टिकल कम्युनिकेशन पर अपने शोध को संक्षिप्त एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया। दोनों प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुल ₹5000 के पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस प्रकार, यह आयोजन विशेषज्ञ व्याख्यानों, प्रयोगात्मक प्रदर्शनों तथा छात्र-प्रधान गतिविधियों का संगम बनकर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी समुदाय के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रस्तुति - ASIATEFL 2025

डॉ. निरजा सरस्वती ने "भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों के लिए लेखन निर्देश हेतु स्वचालित लेखन मूल्यांकन और जेनेरेटिव AI टूल्स का एकीकरण" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति 23वें ASIATEFL अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केयर, इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी में एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, चीन में 10-13 जुलाई 2025 तक की गई।

अनुसंधान प्रस्तुति - IEEE SeFet 2025 (सड़क परिवहन क्षेत्र)

कुंजिता अग्रवाल और डॉ. दीप्ति शर्मा द्वारा सह-लेखित पत्र "भारतीय सड़क परिवहन क्षेत्र का डिकार्बोनाइजेशन: एक लागत-लाभ विश्लेषण" पांचवें IEEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूचर इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन (IEEE SeFet 2025) में प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन का आयोजन ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र, एमएनआईटी जयपुर द्वारा 9-12 जुलाई 2025 तक किया गया।

अनुसंधान प्रस्तुति - IEEE SeFet 2025 (कपड़ा उद्योग)

दीपा बत्रा और डॉ. दीप्ति शर्मा द्वारा सह-लेखित पत्र "भारतीय कपड़ा उद्योग का डिकार्बोनाइजेशन: एक DEA-आधारित दक्षता विश्लेषण" भी IEEE SeFet 2025 में प्रस्तुत किया गया, जो एमएनआईटी जयपुर में 9-12 जुलाई 2025 तक आयोजित किया गया और ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र द्वारा संगठित किया गया।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

आमंत्रित व्याख्यान -- आर्य कॉलेज सम्मेलन

डॉ. नीरजा सारस्वत ने आर्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी, जयपुर द्वारा आयोजित द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों के लिए लेखन निर्देश हेतु स्वचालित लेखन मूल्यांकन और जनरेटिव एआई उपकरणों का एकीकरण" में विविध शिक्षार्थियों के लिए विभेदित शिक्षाशास्त्र" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रबंधन अध्ययन विभाग

डेटा विज़ुअलाइज़ेशन पर एफडीपी से संकाय और शोधकर्ताओं को सशक्तिकरण

एमएनआईटी जयपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी ने 26 मई से 7 जून 2025 तक “बिज़नेस और रिसर्च के लिए डेटा विज़ुअलाइज़ेशन” पर 40 घंटे का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) आयोजित किया। यह एफडीपी प्रबंधन अध्ययन विभाग के डॉ. आयुष गौतम द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं की क्षमता को उन्नत डेटा व्याख्या, विज़ुअल एनालिटिक्स तथा उनके व्यवसाय और शैक्षणिक अनुसंधान में अनुप्रयोगों के क्षेत्र में बढ़ाना था।

यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. राजीव अग्रवाल ने मई 2025 में एमएनआईटी जयपुर में आयोजित एक सप्ताहीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) के दौरान “स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में चुनौतियाँ और अवसर” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह एफडीपी भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था और इसका केंद्र बिंदु एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में हो रहे विकास थे। डॉ. अग्रवाल ने स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में प्रमुख बदलावों, तकनीकी नवाचारों और उभरते अवसरों पर चर्चा की।

भौतिकी विभाग

क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति: संकाय सहभागिता

भौतिकी विभाग की संकाय सदस्य डॉ. कविता लालवानी ने 16 मई से 6 जून 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में आयोजित ई एंड आईसीटी अकादमी पाठ्यक्रम "बेसिक क्वांटम प्रोग्रामिंग (क्यूटी-03)" को सफलतापूर्वक पूरा किया।

उन्होंने 11 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक संचालित चालू पाठ्यक्रम "क्वांटम कम्प्यूटेशन (क्यूटी-05)" में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। इन पाठ्यक्रमों ने क्वांटम कंप्यूटिंग और स्पेस एप्लिकेशन में उनके चालू अनुसंधान का समर्थन किया है, जो उभरती क्वांटम प्रौद्योगिकियों में एमएनआईटी जयपुर के योगदान को और मजबूत बनाता है।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (सीईई) में विशेषज्ञ भ्रमण
ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र (CEE), एमएनआईटी जयपुर ने जुलाई 2025 में दो प्रतिष्ठित अतिथियों की मेज़बानी की, जिससे इसके शैक्षणिक और अनुसंधान संबंध और सुदृढ़ हुए।
11 जुलाई को, प्रो. जियान सन, प्रोफेसर – इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर और सिस्टम्स इंजीनियरिंग विभाग तथा निदेशक – न्यूयॉर्क स्टेट सेंटर फॉर फ्यूचर एनर्जी सिस्टम्स, रेंसस्लर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट, अमेरिका, ने भविष्य की ऊर्जा प्रणालियों में प्रगति पर व्याख्यान दिया और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया।

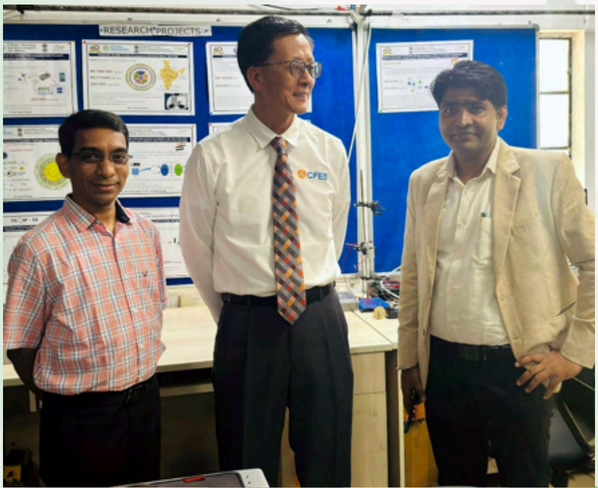

12 जुलाई को, डॉ. रंजीत कृष्णा पाई, वैज्ञानिक 'एफ', जलवायु, ऊर्जा एवं सतत प्रौद्योगिकी प्रभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, ने सतत प्रौद्योगिकी पहलों और राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्यों की प्राप्ति में अकादमिक क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा की। दोनों ही यात्राओं ने ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र (CEE) की इस प्रतिबद्धता को रेखांकित किया कि वह प्रभावशाली शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा ऊर्जा एवं पर्यावरण अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मालवीय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर(MIIC)

स्कूली छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन उद्यमिता बूटकैंप

ग्रीष्मकालीन उद्यमिता बूटकैंप का समापन 28 जून 2025 को एक जीवंत विदाई समारोह के साथ हुआ, जो रचनात्मकता, समस्या-समाधान और नवाचार की एक महीने की यात्रा का उत्सव मना रहा था। कुल 40 स्कूली छात्र, आठ टीमों में संगठित, ने चार सप्ताह के दौरान विकसित अपने प्रोटोटाइप, व्यापारिक मॉडल और वास्तविक समाधान प्रस्तुत किए।
बूटकैंप में डिज़ाइन थिंकिंग, बाजार अनुसंधान, पिचिंग और उद्यमिता की बुनियादी बातें शामिल थीं, जो बिजनेस की पाठशाला के विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित थी। समापन समारोह के दौरान, प्रो. मोनिका शर्मा (प्रमुख, एमआईआईसी) ने युवा नवाचारकर्ताओं को बधाई दी और उन्हें एमआईआईसी के प्री-इनक्यूबेशन समर्थन के माध्यम से अपने विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।
श्री विक्रम शर्मा (व्यापार मेंटर) और डॉ. संजय गौर भी उत्सव में शामिल हुए, प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह और नवाचार की सराहना करते हुए।

विभागीय प्रमुख झलकियाँ

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम -- एसआईपी 2025

एमएनआईटी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (एमआईआईसी) में आयोजित ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसआईपी) 2025, 2 जून से 31 जुलाई 2025 तक चला। इस कार्यक्रम ने विशेषीकृत डोमेन में बी.टेक, एम.टेक और बीसीए छात्रों के लिए व्यावहारिक, उद्योग-संबद्ध इंटर्नशिप अवसर प्रदान किए।

इंटर्नशिप परियोजना-आधारित थी और तकनीकी और परियोजना प्रबंधन कौशल को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई थी, निम्नलिखित में वास्तविक-दुनिया के अनुप्रयोगों पर विशेष जोर देने के साथ:

- बेसिक कॉन्सेप्ट्स टू एप्लीकेशन्स इन मशीन लर्निंग (बीसीएएमएल)
- एप्लीकेशन ऑफ़ एआई एंड एमएल इन हेल्थकेयर (एएएमआईएच)
- अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ड्रोन), सॉलिडवर्क्स एंड 3डी प्रिंटिंग (यूएवी)
- डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (डीडीईवी)

एसआईपी ने प्रभावी रूप से शैक्षणिक-उद्योग इंटर्नशिप अंतर को पाटा और उभरते इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए एक उत्पादक ग्रीष्मकालीन शिक्षण अनुभव प्रदान किया।

पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए एमआईआईसी इंटर्नशिप कार्यक्रम

एमआईआईसी ने राजस्थान भर के पॉलिटेक्निक कॉलेजों के डिप्लोमा छात्रों के लिए 2025 में चार सप्ताह का इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया। प्रशिक्षण में संचार कौशल, सॉफ्ट स्किल्स, रिपोर्ट राइटिंग, रिज्यूमे बिल्डिंग, उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन/इनोवेशन/आईपीआर सेल्स के संपर्क सहित महत्वपूर्ण कौशल और विषय शामिल थे। यह कार्यक्रम एआईसीटीई और राजस्थान के तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित इंटर्नशिप आवश्यकताओं के अनुरूप था, यह सुनिश्चित करते हुए कि डिप्लोमा छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा मिले और वे भविष्य के उद्योग और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए तैयार हों।

समाचार में मालवीय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (MIIC)

एमआईआईसी की नवाचार और उद्यमशीलता गतिविधियों को कई मंचों पर उल्लेखनीय मीडिया कवरेज मिला। मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

मोबाइल एप्लीकेशन की मदद से करेंगे सर्विस बुक, मिनिमम किराया 15 रुपए

15 अगस्त से मेट्रो से ट्रेवल करने वाले पैसेंजर्स को मिलेगी पिंक ई-रिक्शा और ई-ऑटो सुविधा

किरन कुमारी किंडो | जयपुर

शहर की सड़कों पर ट्रैफिक का बोझ कम हो। टियर 1 शहरों की तरह यहां भी पैसेंजर्स मेट्रो को लगातार इस्तेमाल में ले। मेट्रो से उतरकर खासतौर से महिला पैसेंजर्स अपने घरों तक सुरक्षित तरीके से पहुंचे। इसी उद्देश्य से आजीविका ई-मोबिलिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ईवी स्टार्टअप 15 अगस्त से 'वीरा' पिंक ई- रिक्शा और ई ऑटो सर्विस के रूप में नई सौगात देगी। इसे लास्ट माइल सर्विस के रूप में शुरू किया जाएगा। यानी मेट्रो से उतरते ही स्टार्टअप के मोबाइल एप्लीकेशन की मदद से राइड करके सुरक्षित तरीके से घर जा सकेंगी। ई-रिक्शा और थ्री व्हीलर का प्रति किमी मिनिमम किराया 15 रुपए होगा। इसका फायदा यह होगा कि आखिरी मेट्रो से उतरकर सीधे पिंक रिक्शा लेंगे। मेट्रो में लगातार सुविधा से जुड़े अनाउंसमेंट होंगे। सुबह 6 से रात 10 बजे तक यह सुविधा उपलब्ध होगी।

पहले चरण में 6 मेट्रो स्टेशन पर मिलेगा पिंक ई-रिक्शा

मानसरोवर, न्यू आतिश मार्केट, विवेक विहार, श्याम नगर, राम नगर व सिविल लाइन के रूट पर पहले चरण में सर्विस को शुरू किया जाएगा। खास बात है इन्हें सभी महिला ड्राइवर्स ही चलाएंगी। शहर की महिला ड्राइवर्स को पहले 5 दिनों की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें ड्राइविंग के सभी नियमों के अवगत करवाया जाएगा। सॉफ्ट स्किल्स में कम्यूनिकेशन, अडेपटिबिलिटी,टाइम मैनेजमेंट जैसी ट्रेनिंग दी जाएगी। मिनिमम 1 और मैक्सिमम 5 किमी के दायरे में सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। गौरतलब है कि एमएनआईटी स्थित एमआईआईसी के आजीविका ई-मोबिलिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ईवी स्टार्टअप ने जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जेएमआरसी) के साथ एमओयू साइन किया है। उसके तहत 21 जुलाई से शहर में ई-रिक्शा और ई-ऑटो सुविधा शुरू की जानी है।

चुनिंदा मेट्रो स्टेशन से पिंक ई रिक्शा और ई ऑटो सर्विस शुरू करेंगे। इन्हें महिलाएं ही चलाएंगी, इस तरह मेट्रो से ट्रेवल करने वाली महिलाएं भी सुरक्षित महसूस करेंगी। **-अखिलेश सक्सेना,** फाउंडर, आजीविका ई-मोबिलिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ईवी स्टार्टअप

दैनिक भास्कर

जयपुर सिटी भास्कर 29-06-2025

समर एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैंप

डिजाइन थिंकिंग, मार्केट रिसर्च और बजटिंग पर की चर्चा

जयपुर @ पत्रिका प्लस. एमएनआइटी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर एमआइआइसी में शनिवार को समर एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैंप-2025 का समापन हुआ। कार्यक्रम में प्रबंधक डॉ. संजय गौर ने कहा कि 40 स्कूली स्टूडेंट्स ने आठ टीम में शामिल होकर एक महीने में किए नवाचार और सहयोग के बारे में विचार साझा किए। इस चार सप्ताहों में प्रतिभागियों ने डिजाइन थिंकिंग, लीन-स्टार्टअप विधियों, मार्केट रिसर्च, बजटिंग, पिचिंग और फाइनेंसिंग की मूल बातों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रो. मोनिका शर्मा ने युवा नवप्रवर्तकों को उद्यमिता के प्रति उनके उत्कृष्ट समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने शिक्षा को व्यावहारिक कौशल और व्यवहार्य व्यावसायिक अवधारणाओं में सफलतापूर्वक परिवर्तित किया। व्यापार विशेषज्ञ विक्रम शर्मा ने स्टूडेंट्स की सराहना की।

बूटकैंप • एमएनआईटी में 9 टीमों ने इनोवेटिव आइडिया पेश किए

हॉस्पिटल में पेशेंट के रजिस्ट्रेशन को आसान बनाएगा 'स्मार्ट मेडी'

सिटी रिपोर्टर | एक महीने के समर आंत्रप्रिन्योरशिप बूटकैंप का शनिवार को समापन हुआ। एमएनआईटी के इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में आयोजित समापन समारोह में 40 स्कूली बच्चों ने 9 टीमों में बंटकर अपने-अपने इनोवेटिव आइडिया और बिजनेस मॉडल पेश किए। कैंप में बच्चों को डिजाइन थिंकिंग, स्टार्टअप शुरू करने के तरीके, मार्केट रिसर्च, बजटिंग, फाइनेंस और पिचिंग विषयों पर ट्रेनिंग दी गई। यह ट्रेनिंग उन्हें एमआईआईसी में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप 'बिजनेस की पाठशाला' के एक्सपर्ट मेंटर्स ने दी। हर टीम ने एक असली समस्या को चुना, उसका समाधान निकाला और प्रोटोटाइप या बिजनेस मॉडल बनाकर जूरी के सामने पेश किया। इस मौके पर एक टीम ने 'स्मार्ट मेडी' स्टार्टअप आइडिया क्रिएट किया। इसमें जिस भी व्यक्ति का एक्सीडेंट हुआ है या इमरजेंसी केस है, तो हॉस्पिटल में उनकी पहचान करने से लेकर सभी प्रोसेस में काफी समय लगता है। ऐसे में 'स्मार्ट मेडी' लोगों की बेसिक मेडिकल डीटेल बताने से लेकर रजिस्ट्रेशन प्रोसेस में मदद करेगा।

'विजन क्राफ्ट' मॉडल तैयार

वहीं दूसरी टीम ने 'विजन क्राफ्ट' वर्चुअल रियलिटी एप मॉडल तैयार किया है। यह घर खरीदने में मदद करेगा। इस एप से आप वीआर टेक्नोलॉजी के जरिए घर को देखने के साथ ही इंटीरियर भी तय कर पाएंगे। इनक्यूबेशन सेंटर की हेड प्रो.मोनिका शर्मा ने कहा कि एमआईआईसी का प्री-इनक्यूबेशन प्रोग्राम उनके आइडिया को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तैयार है। वहीं बिजनेस एक्सपर्ट विक्रम शर्मा ने छात्रों को उनके आइडिया को असली स्टार्टअप में बदलने के टिप्स दिए। एमआईआईसी के सीनियर ऑपरेशंस मैनेजर डॉ. संजय गौर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सायंकालीन

समाचार जगत

जयपुर, 8 जुलाई, 2025

गौमाया के फाउंडर डॉ. सीताराम गुप्ता बने चैंपियंस ऑफ कॉज के विजेता

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। टैली द्वारा आयोजित टैली एमएसएमई ऑनर 2025 अवॉर्ड कार्यक्रम के पांचवें संस्करण को जयपुर में आयोजित किया गया। हर बार दिल्ली में आयोजित होने वाला कार्यक्रम पहली बार जयपुर में आयोजित किया गया, जिसमें पूरे भारत से 20000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने आवेदन किया था। जिसमें से पांच कैटेगरी में अवॉर्ड प्रदान किए गए। उसमें से अपने कार्य क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के रूप में गौमाया के फाउंडर डॉक्टर सीताराम गुप्ता को चैंपियंस ऑफ कॉज कैटेगरी में विजेता घोषित किया गया। गौमाया के को फाउंडर योगेश मित्तल व राजा मुकीम ने बताया कि वैश्विक पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन के क्षेत्र में गौमाया पिछले 5 वर्षों से निरंतर प्रयासरत है, जिसके तहत अलग-अलग प्लेटफार्म पर इस प्रकार का सम्मान मिलना बड़े गौरव का विषय है। गौमाया की को फाउंडर अदिति गुप्ता ने बताया कि पूरे भारत में प्रतिवर्ष अंतिम संस्कार से 90 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है, जिसे हमारी टीम राष्ट्रीय पर्यावरण एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान केंद्र नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में नेट जीरो पर लाने के लिए कृत संकल्पित है।

छात्र गतिविधियां और उपलब्धियां

गणित विभाग

एम.एससी. गणित छात्रों के लिए मजबूत प्लेसमेंट

गणित विभाग ने अपने एम.एससी. गणित (2023–2025) के छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। बैच के 60% से अधिक छात्रों को शीर्ष संस्थानों और कंपनियों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ, जो उनकी लगन और विभाग के मजबूत सहयोग को दर्शाता है।

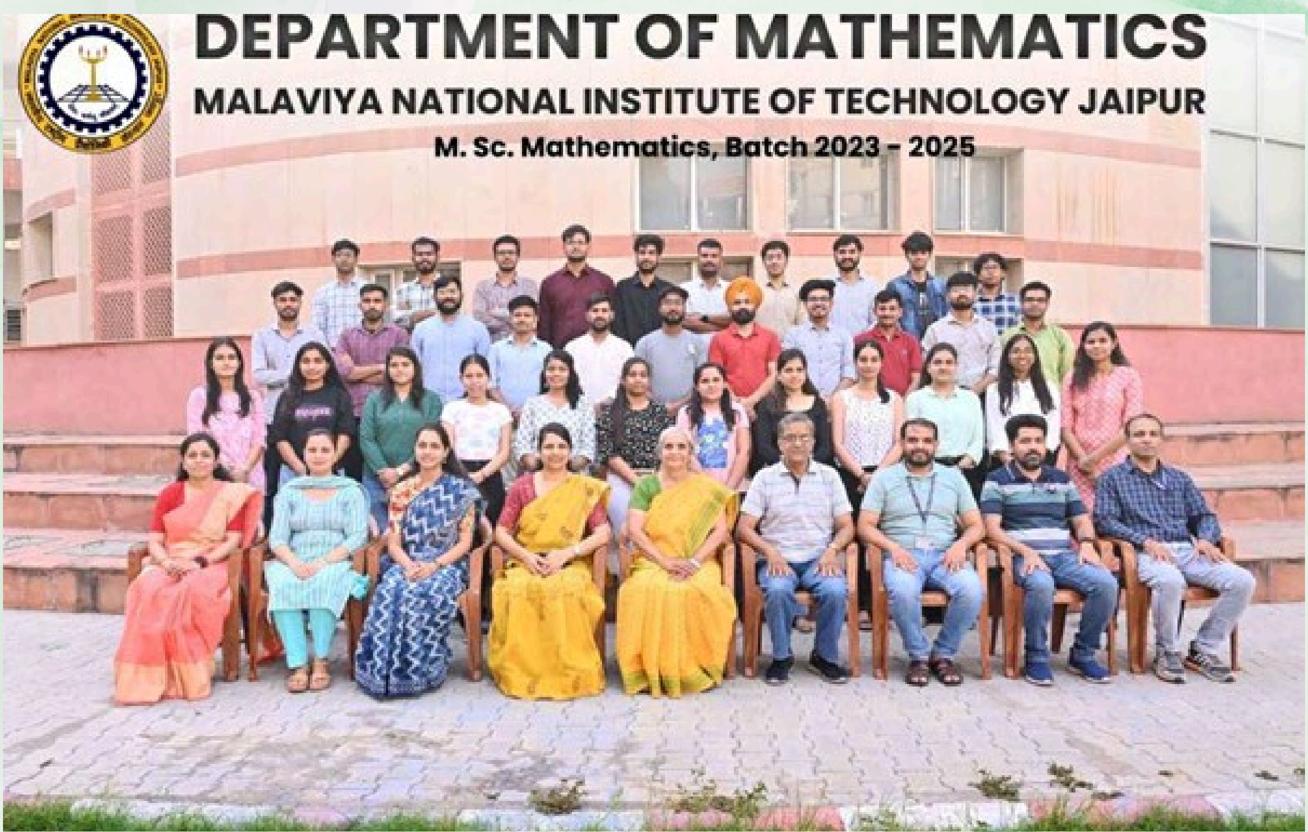

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के श्री विपिन सिंह और श्री प्रभात राठी को 16-18 जुलाई 2025 तक मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में स्प्रिंगर एससीआरएस के सहयोग से आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डेटा साइंस एंड एप्लिकेशन्स (आईसीडीएसए 2025) के दौरान सत्र समन्वयक के रूप में उनके मूल्यवान समर्थन और सहयोग के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

अनुसंधान उपलब्धियाँ

कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग

परियोजनाएं

1. प्रमुख अन्वेषक का नाम: डॉ. रमेश बाबू बट्टुला

- शीर्षक: अगली पीढ़ी के स्मार्ट सिटी के लिए सिटी जेन-केंद्रित डिजिटल ट्विन
- राशि: 64 लाख
- स्वीकृति दिनांक: 5 जून 2025
- एजेंसी: अमृत

2. प्रमुख अन्वेषक का नाम: डॉ. स्मिता नावल

- शीर्षक: उन्नत मोबाइल सुरक्षा और विश्लेषण समाधान का डिज़ाइन और विकास
- राशि: 99.15 लाख
- स्वीकृति दिनांक: 26 जून 2025
- एजेंसी: मेइटी (सीएसआरडी योजना)

यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग

डॉ. गौरव हेडाऊ की एक परियोजना, जो अन्वेषक के रूप में कार्यरत हैं, को वित्त पोषण के लिए अनुमोदित किया गया है। परियोजना का शीर्षक है, "उच्च हीट फ्लक्स अनुप्रयोगों के लिए नॉवेल पैसिव फ्लेक्सिबल एलिमेंट्स के कार्यान्वयन द्वारा मिनी और माइक्रोचैनल्स में फ्लो बॉयलिंग अस्थिरता को दबाकर हीट ट्रांसफर वृद्धि"। यह भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा अर्ली कैरियर रिसर्च ग्रांट (ईसीआरजी) के तहत वित्त पोषित है।

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग

परियोजनाएं

प्रमुख अन्वेषक का नाम: डॉ. विकास के. संगल

- शीर्षक: अपशिष्ट जल के इलेक्ट्रोकेमिकल उपचार के लिए नॉवेल नैनो-कोटेड इलेक्ट्रोड का संश्लेषण
- राशि: 5.92 लाख
- अवधि: 2 वर्ष
- एजेंसी: एम/एस एसके यूईएम वाटर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

परियोजनाएँ

- पीआई नाम: डॉ. विवेकानंद
- शीर्षक: इंडो-स्वीडन ग्रीन बायोमास: मध्यवर्ती फसलों से किसानों के लिए एक अप्रयुक्त आय स्रोत - खाद्य और चारा के लिए पत्तियों के प्रोटीन का परिपत्र उत्पादन, जैव सक्रिय यौगिक, बायोगैस और बायोस्टिमुलेंट्स
- राशि: 149.74 लाख रुपये
- अवधि: 3 वर्ष
- एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

संकाय उपलब्धियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग स्वीकृत पेटेंट

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रितु शर्मा को एक भारतीय पेटेंट से सम्मानित किया गया है, जिसका शीर्षक है-
"पीडीएमएस-आधारित ग्राफीन/पॉलीऐनिलीन/ग्राफीन (G-P-G) सैंडविच पारदर्शी, सुचालक एवं लचीला सेंसर उपकरण तथा उसका निर्माण विधि"

पेटेंटधारक: अतुल शर्मा, डॉ. ऋतु शर्मा, डॉ. अनुप शर्मा, पुनीत शर्मा, सुरभि सिंह
अनुदान की तिथि: 02/07/2025
पेटेंट संख्या: 568297
पेटेंट विवरण: यह पेटेंटेड सेंसर PDMS सब्सट्रेट पर G-P-G सैंडविच संरचना से युक्त है, जो उत्कृष्ट लचीलेपन, पारदर्शिता और चालकता के लिए ग्रैफीन और पॉलीएनिलिन का संयोजन करता है। पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स और बायोमेडिकल उपकरणों के लिए डिज़ाइन किया गया, यह अगली पीढ़ी की लचीली सेंसिंग तकनीकों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करता है।

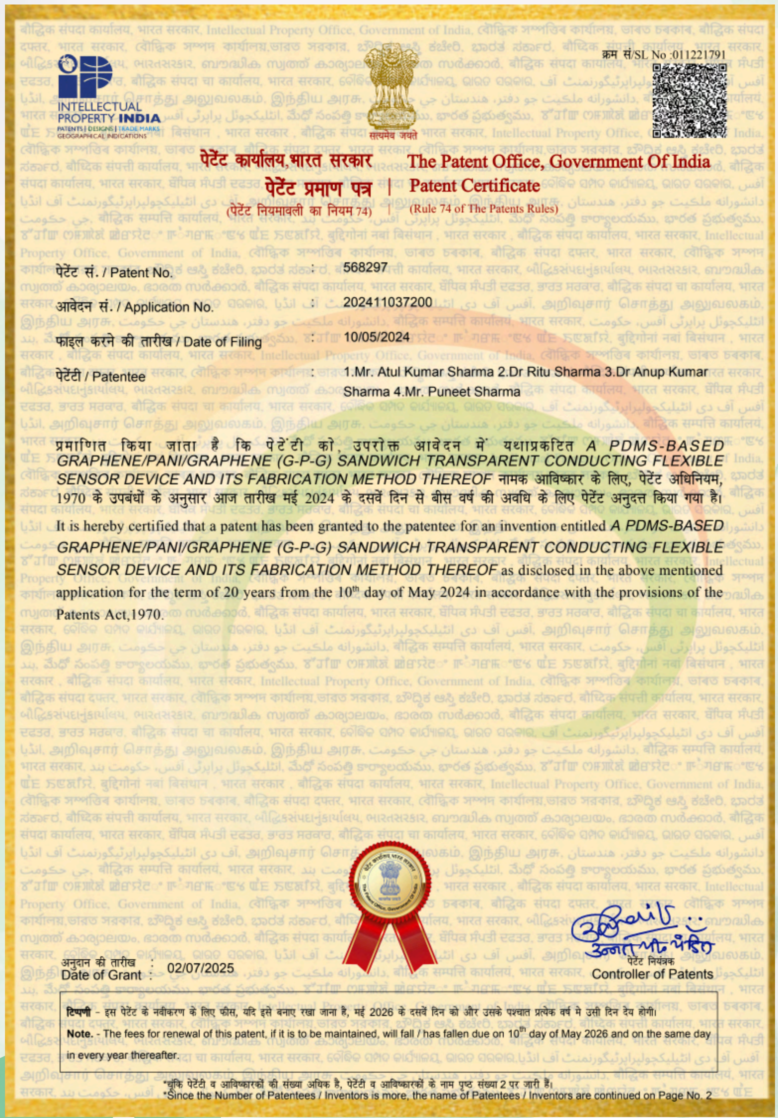

क्रम सं/SL No :011221791

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS
GEOGRAPHICAL INDICATIONS

सत्यमेव जयते

पेटेंट कार्यालय,भारत सरकार | The Patent Office, Government Of India
पेटेंट प्रमाण पत्र | Patent Certificate
(पेटेंट नियमावली का नियम 74) | (Rule 74 of The Patents Rules)

पेटेंट सं. / Patent No.	:	568297
आवेदन सं. / Application No.	:	202411037200
फाइल करने की तारीख / Date of Filing	:	10/05/2024
पेटेंटी / Patentee	:	1.Mr. Atul Kumar Sharma 2.Dr Ritu Sharma 3.Dr Anup Kumar Sharma 4.Mr. Puneet Sharma

प्रमाणित किया जाता है कि पेटेंटी को, उपरोक्त आवेदन में यथाप्रकटित *A PDMS-BASED GRAPHENE/PANI/GRAPHENE (G-P-G) SANDWICH TRANSPARENT CONDUCTING FLEXIBLE SENSOR DEVICE AND ITS FABRICATION METHOD THEREOF* नामक आविष्कार के लिए, पेटेंट अधिनियम, 1970 के उपबंधों के अनुसार आज तारीख मई 2024 के दसवें दिन से बीस वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट अनुदत्त किया गया है।

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled *A PDMS-BASED GRAPHENE/PANI/GRAPHENE (G-P-G) SANDWICH TRANSPARENT CONDUCTING FLEXIBLE SENSOR DEVICE AND ITS FABRICATION METHOD THEREOF* as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 10th day of May 2024 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

अनुदान की तारीख : 02/07/2025
Date of Grant :

पेटेंट नियंत्रक
Controller of Patents

टिप्पणी - इस पेटेंट के नवीकरण के लिए फीस, यदि इसे बनाए रखा जाना है, मई 2026 के दसवें दिन को और उसके पश्चात प्रत्येक वर्ष मे उसी दिन देय होगी।
Note. - The fees for renewal of this patent, if it is to be maintained, will fall / has fallen due on 10th day of May 2026 and on the same day in every year thereafter.

*चूंकि पेटेंटी व आविष्कारकों की संख्या अधिक है, पेटेंटी व आविष्कारकों के नाम पृष्ठ संख्या 2 पर जारी हैं।
*Since the Number of Patentees / Inventors is more, the name of Patentees / Inventors are continued on Page No. 2

डीन कार्यालय की पहल

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का भ्रमण

एमएनआईटी जयपुर के डीन, अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों के कार्यालय ने पॉलीटेक एनेसी-चैम्बरी, यूनिवर्सिटी सावोई मोंट ब्लांक (USMB), फ्रांस के साथ शैक्षणिक एवं शोध के अवसरों पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। 30 मई को मालवीय सभागार में आयोजित इस सत्र का संचालन USMB की प्रो. क्रिस्टेल मेसोनियर ने किया और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की डॉ. नीरजा सारस्वत ने इसका समन्वय किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य USMB के इंजीनियरिंग स्कूलों, अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रमों और सहयोगी अनुसंधान के अवसरों से परिचित कराना था। अंतर्राष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों के डीन, प्रो. दिलीप शर्मा ने वक्ता का स्वागत किया और श्रोताओं को संबोधित करते हुए संस्थान की यात्रा पर प्रकाश डाला। प्रो. मेसोनियर ने सौर ऊर्जा और उन्नत मेक्ट्रोनिक्स में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों में यूएसएमबी की शैक्षणिक पेशकशों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इस सत्र में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संभावित भावी सहयोगों पर सार्थक चर्चाओं को सुगम बनाया।

पुस्तकालय क्षेत्र

ONOS के तहत विले संसाधनों को अधिकतम करने पर वेबिनार

6 मई, 2025 को केंद्रीय पुस्तकालय ने Wiley के सहयोग से "वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) के अंतर्गत Wiley संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें)" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया, जो उपयोगकर्ता जागरूकता पहल का हिस्सा था। यह सत्र 11:00 बजे से 12:00 बजे तक GoTo प्लेटफॉर्म पर संचालित हुआ और छात्रों, संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के लिए खुला था।

Wiley में कस्टमर एजुकेशन मैनेजर, मिस अरुणिमा आदित्य, इस सत्र की मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहीं। इस सत्र में प्रमुख वक्ताओं के भी अभिभाषण शामिल थे, जिनमें श्री पी. के. बनर्जी (संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय), मिस रेम्या हरिदासन (साइंटिस्ट डी, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार), श्री रितिश कुमार (सीनियर डायरेक्टर, ग्लोबल कोर सेल्स एवं लीड, Wiley इंडिया), और श्री मोहित पब्बी (एसोसिएट फील्ड मार्केटिंग डायरेक्टर, Wiley) शामिल थे।

वेबिनार में विले संसाधनों तक पहुंचने में आने वाली आम चुनौतियों पर चर्चा की गई, व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए गए और संस्थानों में अनुसंधान, नवाचार और विद्वानों के संचार को मजबूत करने में ओएनओएस की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

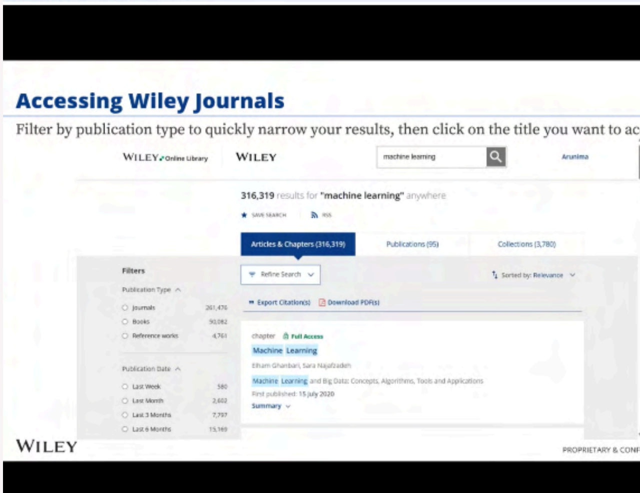

पुस्तकालय क्षेत्र

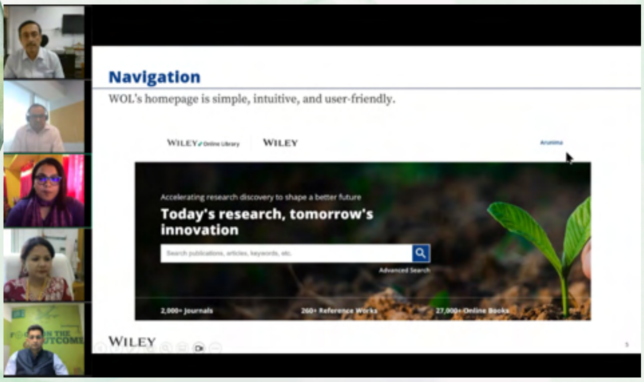

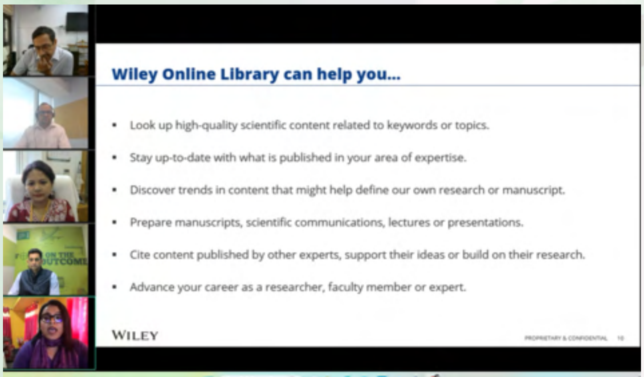

रबींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर पुस्तक प्रदर्शन

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर पुस्तक प्रदर्शन नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर, केंद्रीय पुस्तकालय ने 7 मई, 2025 को एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें उनके साहित्यिक कार्यों, दार्शनिक लेखन और भारतीय साहित्य और संस्कृति में उनके स्थायी योगदान को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य टैगोर की विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना और शैक्षणिक समुदाय के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देना था।

व्यवस्थित साहित्य समीक्षा पर कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय ने 8 मई, 2025 को सिस्टेमैटिक लिटरेचर रिव्यू (SLR) “ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों के लिए थी।

डॉ. ऋषि तिवारी, लाइब्रेरियन, ने स्वागत भाषण दिया और कठोर समीक्षा तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि प्रो. डी. बूलचंदानी, डीन अकादमिक्स, ने व्यवस्थित शोध पद्धतियों की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. तरूष चंद्र, पुस्तकालय समन्वयक, ने डिजिटल स्कॉलरशिप को समर्थन देने में पुस्तकालय की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

डॉ. श्री राम पांडे, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा में एसोसिएट प्रोफेसर, ने तकनीकी सत्रों का नेतृत्व किया और संवादात्मक चर्चाओं को प्रोत्साहित किया।

ऑक्सफोर्ड जर्नल्स के साथ प्रकाशन पर कार्यशाला

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने 13 मई 2025 को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से "ऑक्सफोर्ड जर्नल्स के साथ कैसे प्रकाशित करें" पर एक आभासी कार्यशाला आयोजित की। सत्र छात्रों, संकाय और शोधकर्ताओं को शैक्षणिक प्रकाशन प्रक्रिया को समझने में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया था।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस की कस्टमर ट्रेनिंग मैनेजर सुश्री सुमिता सेन ने फैसिलिटेटर के रूप में कार्य किया। कार्यशाला में मांडुस्क्रिप्ट तैयारी, जर्नल चयन, प्रस्तुतीकरण प्रोटोकॉल, पीयर रिव्यू नेविगेशन और उत्पादन प्रक्रिया शामिल थी। पहले सत्र में शामिल नहीं हो सकने वालों के लिए 8 जुलाई 2025 को समान कार्यशाला का दूसरा सत्र आयोजित किया गया।

पुस्तकालय क्षेत्र

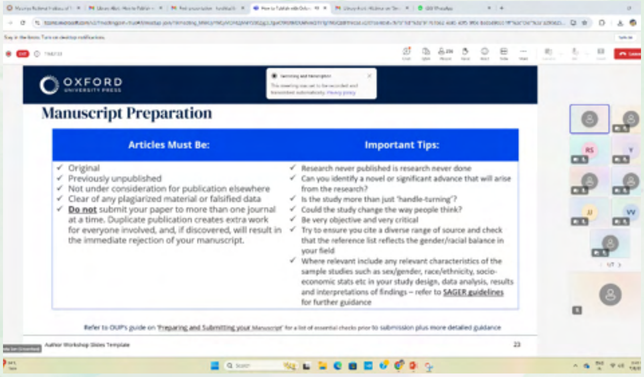

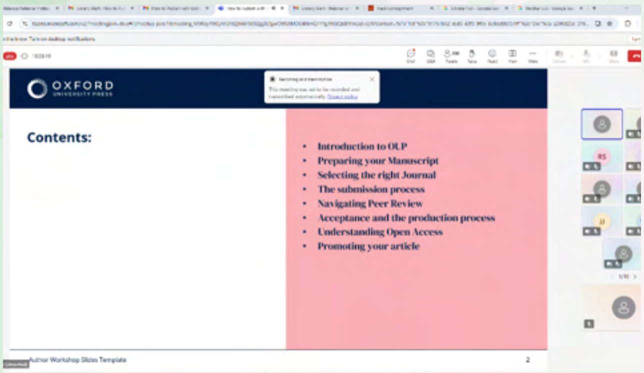

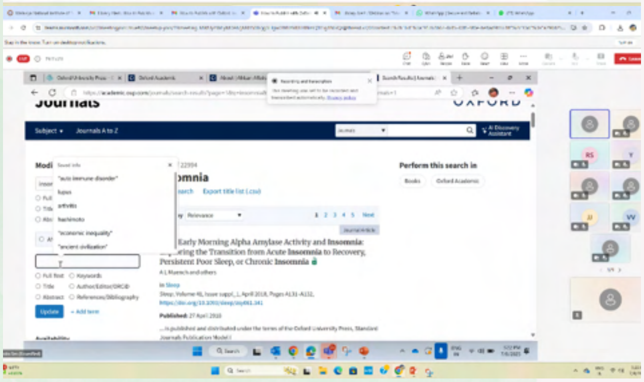

ओएनओएस के तहत टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स तक पहुंच पर वेबिनार

ओएनओएस पहल के भाग के रूप में, 12 जून 2025 को टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स तक पहुंच में उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक वेबिनार आयोजित किया गया। गोटू प्लेटफॉर्म पर आयोजित सत्र का नेतृत्व टेलर एंड फ्रांसिस की मार्केटिंग मैनेजर सुश्री गरिमा भयाना ने किया।

उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान सामग्री तक पहुंच बढ़ाना और उपयोगकर्ताओं को विद्वत्तापूर्ण सामग्री नेविगेट करने के लिए उन्नत उपकरणों से परिचित कराना था। सत्र को शैक्षणिक विषयों के प्रतिभागियों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया।

पठन दिवस का उत्सव

19 जून 2025 को, केंद्रीय पुस्तकालय ने केरल में पुस्तकालय आंदोलन के जनक के रूप में व्यापक रूप से माने जाने वाले स्वर्गीय श्री पी. एन. पणिकर के सम्मान में पठन दिवस मनाया। गतिविधियों में नारा लेखन प्रतियोगिता और परिसर समुदाय के बीच पठन की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुस्तक प्रदर्शनी शामिल थी।

उत्सव ने विश्लेषणात्मक सोच, सहानुभूति और बौद्धिक जिज्ञासा विकसित करने में पठन की भूमिका को रेखांकित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुस्तक प्रदर्शनी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव में, केंद्रीय पुस्तकालय ने 20-21 जून 2025 को प्रवेश हॉल में एक विषयगत पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की। संग्रह में योग, कल्याण, ध्यान और समग्र स्वास्थ्य प्रथाओं पर साहित्य की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

पहल ने छात्रों और स्टाफ को व्यक्तिगत कल्याण के लिए योग और सचेतता के लाभों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुस्तकालय क्षेत्र

क्लेरिवेट के साथ अनुसंधान में जिम्मेदार एआई पर वेबिनार

क्लेरिवेट ने 26 जून 2025 को सिस्को वेबएक्स के माध्यम से "स्मार्टर रिसर्च: वेब ऑफ साइंस रिसर्च असिस्टेंट एंड एंडनोट 2025 का लाभ उठाते हुए जिम्मेदार एआई" शीर्षक से एक विशेष वेबिनार आयोजित किया। सत्र का नेतृत्व डॉ. सुभाश्री नाग, रणनीतिक ग्राहक सफलता सलाहकार ने किया।

वेबिनार ने शैक्षणिक अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जिम्मेदार उपयोग का अन्वेषण किया, साहित्य समीक्षा, उद्धरण प्रबंधन और नैतिक लेखन प्रथाओं के लिए एआई उपकरणों का उपयोग करने के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ। प्रशिक्षण ने अनुसंधान कार्यप्रणालियों में अखंडता के महत्व को मजबूत किया।

Images:

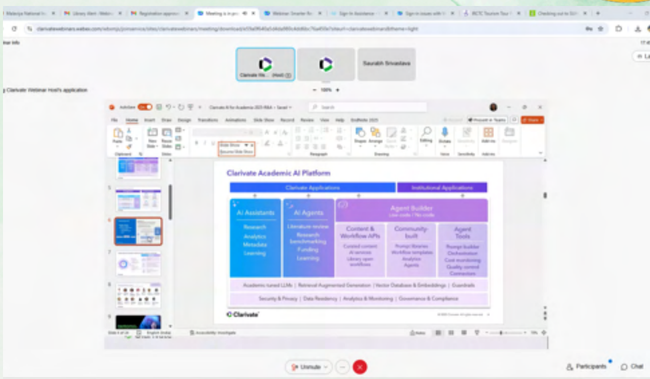

केस टीचिंग एंड राइटिंग पर कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय एमएनआईटी जयपुर ने प्रबंधन अध्ययन विभाग तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के सहयोग से 10 जुलाई 2025 को केंद्रीय पुस्तकालय मीटिंग हॉल में केस टीचिंग और राइटिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के लिए बनाई गई इस कार्यशाला का उद्देश्य केस आधारित शिक्षण और शैक्षणिक लेखन में कौशल को सुदृढ़ करना था।

विशेषज्ञ सत्र प्रो. ए. के. डे (प्रोफेसर, ऑपरेशन्स और डिसीजन साइंसेज़, आईआईएलएम यूनिवर्सिटी), श्री अनुज कुमार अग्रवाल (सीनियर टेरिटरी मैनेजर, सेज पब्लिकेशंस) तथा सुश्री डेबी धर (सीनियर कमीशनिंग एडिटर, सेज पब्लिकेशंस) द्वारा संचालित किए गए। उन्होंने केस आधारित शिक्षण और प्रकाशन योग्य केस स्टडी विकसित करने की व्यावहारिक रणनीतियाँ साझा कीं।

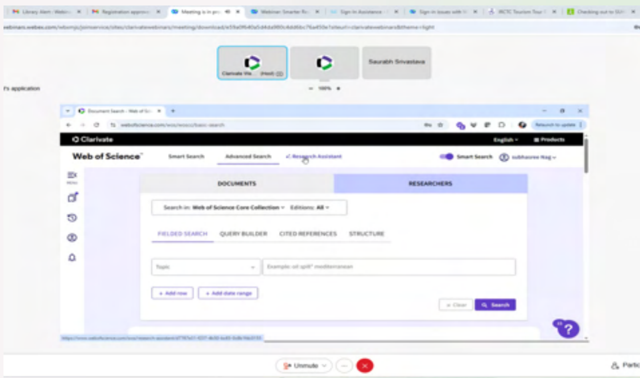

पुस्तकालय क्षेत्र

उद्घाटन सत्र में प्रो. तरूष चंद्र (समन्वयक, केंद्रीय पुस्तकालय), प्रो. नुपुर टंडन (प्रमुख, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग), प्रो. दिवेश कुमार (प्रमुख, प्रबंधन अध्ययन विभाग) तथा प्रो. दीपक वर्मा (प्रबंधन अध्ययन विभाग) ने संबोधन दिया। डॉ. ऋषि कुमार तिवारी (लाइब्रेरियन, केंद्रीय पुस्तकालय) ने स्वागत भाषण दिया तथा डॉ. सचिन कटगी (सहायक लाइब्रेरियन) ने कार्यवाही का समन्वयन किया।

इस कार्यशाला में संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की तथा इसे सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्रा. लि. का सहयोग प्राप्त हुआ।

शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक उपकरण: ओएनओएस के तहत स्प्रिंगर नेचर प्रशिक्षण

15 जुलाई 2025 को ज़ूम के माध्यम से ओएनओएस के तहत स्प्रिंगर नेचर प्लेटफॉर्म नेविगेट करने पर उपयोगकर्ता प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सुश्री अल्पना एस. अग्रवाल, अकाउंट डेवलपमेंट मैनेजर ने प्रशिक्षण आयोजित किया।

प्रतिभागियों को उन्नत खोज तकनीकों, बूलियन ऑपरेटरों, स्मार्ट कीवर्ड रणनीतियों और उपयुक्त जर्नल चुनने के मानदंडों से परिचित कराया गया। सत्र का उद्देश्य शोधकर्ताओं की स्प्रिंगर जर्नल्स तक पहुंच और उनमें प्रभावी रूप से प्रकाशित करने की क्षमताओं को बढ़ाना था।

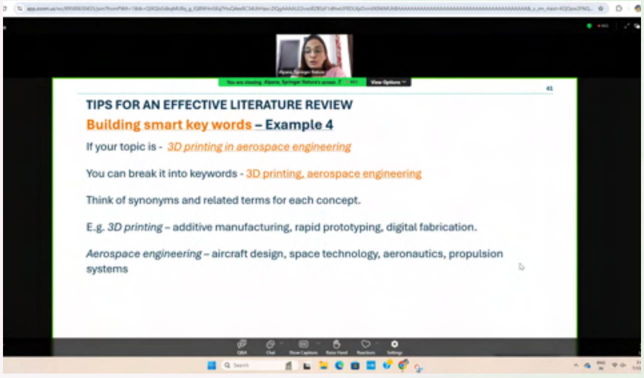

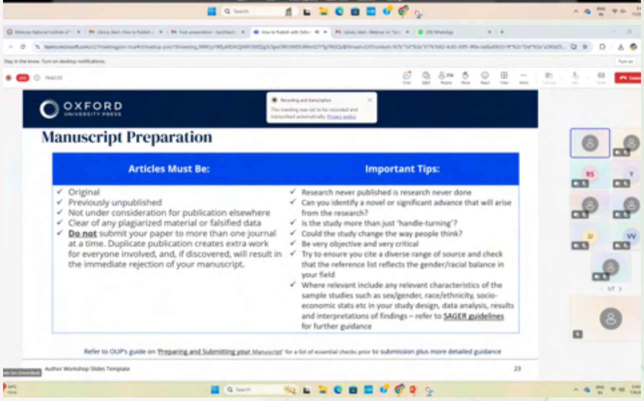

क्लब गतिविधियाँ

एक मोहक आयोजन: विदुषी मालती श्याम द्वारा कथक प्रदर्शनी

एमएनआईटी जयपुर के क्लासिकल म्यूजिक और डांस क्लब ने SPIC MACAY नॉर्थ राजस्थान चैप्टर के सहयोग से बुधवार, 23 जुलाई 2025 को प्रख्यात कथकांगना **विदुषी मालती श्याम** द्वारा एक दिव्य कथक प्रस्तुति का आयोजन किया।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रतिष्ठित कथक लखनऊ घराने की सुप्रसिद्ध कलाकार श्रीमती मालती श्याम की सशक्त प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सांगीतिक-सांस्कृतिक संध्या में प्रतिभाशाली कलाकारों का दल भी उनके साथ था:

- **ज़की अहमद** – वोकल
- **ज़हीन खान** – तबला
- **हर्षिता शर्मा** – पाठन

यह कार्यक्रम SPIC MACAY की राष्ट्रीय पहल के अन्तर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति युवाओं में जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देना है।

छात्र, संकाय सदस्यों, स्टाफ और उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे — एक ऐसा संध्या रूपी उत्सव जहाँ लय, भाव और विरासत का संगम था।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफ़. कनुप्रिया सचदेव, एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी तथा क्लासिकल म्यूजिक और डांस क्लब की फैकल्टी एडवाइज़र्स **डॉ. प्रेरणा जैन** और **सुश्री सुनीता डोद्दामानी** ने अतिथि कलाकारों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया।

इस सांस्कृतिक संध्या ने एक गहरा प्रभाव छोड़ा और एमएनआईटी की प्रतिबद्धता को उजागर किया — केवल तकनीकी उत्कृष्टता नहीं, बल्कि कलात्मक और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को भी समृद्ध करने की।

क्लब गतिविधियाँ

भाषाई उत्कृष्टता को बढ़ावा: एमएनआईटी जयपुर में हिंदी कार्यशाला

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर के अधिकृत भाषा प्रकोष्ठ ने 12 जून 2025 को केंद्रीय पुस्तकालय की बैठक कक्ष में एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से हिंदी भाषा के विभिन्न पहलुओं का विस्तार करना और उभरती प्रौद्योगिकियों के दृष्टिकोण से राजभाषा के उपयोग को सशक्त बनाना था।

कार्यशाला में निम्नलिखित तीन सत्र शामिल थे:

1. भाषा: शब्द संरचना का वैज्ञानिक आधार
2. राजभाषा लागू करने की नीति-आयाम
3. बहुवचनात्मकता का प्रवाह एवं भाषा में उसकी प्रासंगिकता

इन अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्रों का संचालन Ms. रुमा वर्मा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, IOCL, राजस्थान कार्यालय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए पंजीयक प्रो. रोहित भाकर और डीन, फैकल्टी प्रो. कैलाश सिंह मुख्य अतिथि थे। आधिकारिक भाषा प्रकोष्ठ की ओर से प्रो. राजकुमार व्यास (समन्वयक, राजभाषा) और डॉ. ऋषि तिवारी (हिन्दी अधिकारी, प्रभारी) ने कार्यशाला की रूपरेखा और उद्देश्यों को मार्गदर्शित किया।

विभिन्न विभागों के संकाय और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर इस कार्यशाला को सफल बनाया। आयोजन में पवन कुमार शर्मा और बिरेन्द्र पांडेय की भूमिका भी उल्लेखनीय रही।

वेलनेस कॉर्नर

अक्सर खुशी को एक लक्ष्य माना जाता है, और कभी-कभी इसे एक आवश्यकता भी समझा जाता है। हमें लगातार सकारात्मक रहने, उजली दिशा में सोचने और मुस्कुराते रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, भले ही मन ठीक न हो। लेकिन क्या खुश रहने का यह दबाव हमें और अधिक बुरा महसूस करा सकता है?

साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर समूह - 2022) में प्रकाशित एक अध्ययन में 40 देशों के 7,000 से अधिक लोगों को शामिल किया गया और पाया गया कि जितना अधिक लोगों ने खुश रहने और उदासी जैसी भावनाओं से बचने का दबाव महसूस किया, उनकी मानसिक सेहत उतनी ही खराब होती गई। उनमें तनाव, चिंता और अवसाद का स्तर अधिक पाया गया और जीवन संतुष्टि कम रही। विडंबना यह है कि यह प्रभाव उन देशों में सबसे ज्यादा था, जो वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में सबसे ऊपर थे।

जब खुशी एक सामाजिक अपेक्षा बन जाती है, तो यह एक मुखौटा भी बन सकती है। एक मुस्कान थकान, अकेलापन या भावनात्मक बोझ को छिपा सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, कल्याण का अर्थ केवल बीमारी की अनुपस्थिति नहीं है। इसमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, सार्थक रिश्ते, जीवन का उद्देश्य और भावनात्मक सहनशीलता शामिल हैं। इसका मतलब हर समय प्रसन्नचित्त रहना नहीं है, बल्कि जीवन को उसके असली रूप में स्वीकार करना है – उसके उतार-चढ़ाव के साथ।

वेलनेस का अर्थ है मानवीय भावनाओं की पूरी श्रृंखला को स्वीकारना।

यदि आप किसी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंता साझा करना चाहते हैं या केवल बात करना चाहते हैं, तो कृपया लिखें: **coordinator.wellness@mnit.ac.in**

समन्वयक संस्थान समाचार पत्रिका

डॉ. पारुल माथुरिया
(सहायक प्रोफेसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)

संपादकीय

डॉ. मेनका
(सहायक प्रोफेसर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)
डॉ. गीतांजलि चट्टोपाढ़ीय
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
सुप्रिया अवस्थी
(शोधार्थी, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
सन्नी रॉय-न्यूरॉन
(एम.टेक, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
आस्था राठौर
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)
अक्षर्ता जाधव
(बी.आर्क, पंचम सेमेस्टर)
अमित कुमार सिंह
(एम.टेक, तृतीया सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
हिमांक धामानिया
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर, धातुकर्म)
मनीषा सिंह बांगडी
(एमबीए, तृतीय सेमेस्टर,
फार्मास्यूटिकल बायोटेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट)
प्रणव प्रशांत मालवद्कर
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, यांत्रिक अभियांत्रिकी)

रुद्र प्रताप सिंह
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
यांत्रिक अभियांत्रिकी)
सुभ्रजीत रॉय
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर,
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
शलविन दिदवानिया
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
रामेश्वर
(बी.टेक, तृतीया सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
आर्यन गोयल
(बी.टेक, तृतीया सेमेस्टर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

तकनीकी सहयोग,आउटरीच

डॉ. सद्भावना
(सहायक प्रोफेसर,
कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी विभाग)

डिज़ाइन

डॉ. सूरजित घोष
(सहायक प्रोफेसर,
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
आर्किटेक्ट हिमांशु योगी
(सहायक प्रोफेसर,
वास्तुकला एवं नियोजन विभाग)
अनामिका लक्ष्मी
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर,
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
एस. साई मृधुला
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
राइमा टंडन
(बी.आर्क, चतुर्थ सेमेस्टर)

कंटेंट मैनेजमेंट

डॉ. अनुभा जिंदल
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
डॉ. बिकाशबिंदु दास
(सहायक प्रोफेसर, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
यशस्विनी उपाढ़ीय
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)
पुनीत
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)
अनन्या श्रीवास्तव
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
विद्युत अभियांत्रिकी)
विनीत सिंह परीहार
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
विद्युत अभियांत्रिकी)
मन्या बजाज
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)
परिभाषा रस्तोगी
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)
समृद्धि
(एमबीए, तृतीया सेमेस्टर,
फार्मास्यूटिकल बिजनेस मैनेजमेंट)
रितिका नीमरोट
(मास्टर्स, तृतीया सेमेस्टर, पीसीवी)
ऋषु रंजन
(बी.टेक, तृतीया सेमेस्टर, यांत्रिक अभियांत्रिकी)
करमवीर स्वामी
(एमबीए, पंचम सेमेस्टर,
फार्मास्यूटिकल बिजनेस मैनेजमेंट)
देवांश पारिख
(मास्टर्स, तृतीया सेमेस्टर, पीपीएच)

आपकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है!
हमारे काम के बारे में अपनी राय देने या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहाँ स्कैन करें।